दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 291 | ग्वालियर, मंगलवार 24 नवम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज़ ट्रैक

काशी में देव दीपावली के भव्य आयोजन की तैयारी, शामिल हो सकते हैं पीएम मोदी

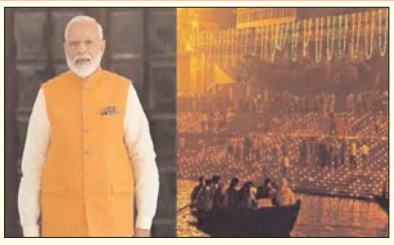

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देव दीपावली पर अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा कर सकते हैं। विश्व प्रसिद्ध काशी के इस आयोजन में यह पहला मौका होगा जब इसमें प्रधानमंत्री शामिल होंगे। पीएम 2447 करोड़ रुपये की राजातालाब-हंडिया सिक्सलेन परियोजना सौगात देकर पार्टी कार्यकर्ताओं से रूबरू भी होंगे। वह सारनाथ में लाइट एंड साउंड शो भी देखने जा सकते हैं। डीएम कौशलराज शर्मा के मुताबिक प्रधानमंत्री कार्यालय से 30 नवंबर को पीएम के एक दिन के दौरे के संकेत मिले हैं। संभावित कार्यक्रम के मुताबकि पीएम मोदी दोपहर बाद वाराणसी पहुंचेंगे। सबसे पहले वह मिर्जामुराद बाजार से सटे खजुरी गांव में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां पांच हजार भाजपा कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करके हेलीकॉप्टर से सूजाबाद पहुंचेंगे। फिर नाव से काशी विश्वनाथ कॉरिडोर पहुंचेंगे। श्री काशी-विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने के बाद कॉरिडोर के कार्यों का जायजा के बाद राजघाट पर आयोजित देव-दीपावली महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर सकते हैं। घाट पर करीब घंटेभर गुजारने के बाद पीएम मोदी राजघाट से रविदास घाट तक नाव से गंगा के दोनों किनारों पर हुए दीपदान का नजारा लेंगे। इसके बाद सारनाथ में धम्मस्तूप पर होने वाले लाइट एंड साउंड शो को देखेंगे। रात में वह दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

ड्रग्स मामले में कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया को राहत, मुंबई कोर्ट ने दी जमानत

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलीवुड में सामने आए ड्रग्स मामले में कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया को सोमवार को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मुंबई की कोर्ट ने दोनों की गिरफ्तारी के अगले दिन उन्हें जमानत दे दी।इससे पहले, मुंबई की एक अदालत ने कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष को चार दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने घर से गांजा बरामद होने पर दोनों को गिरफ्तार किया था। अदालत को इनकी जमानत याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करनी थी। इसके बाद, आज सुनवाई में दोनों को कोर्ट ने जमानत दे दी। एनसीबी ने शनिवार को भारती को गिरफ्तार किया और रविवार सुबह इनके पति की गिरफ्तारी हुई। इसके बाद रविवार दोपहर में दंपति को यहां एक मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। वहीं, एनसीबी के अभियोजक अतुल सारपांडे ने बताया था, अदालत ने दोनों आरोपियों को चार दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के शीघ्र बाद दंपति ने वकील अयाज खान के जरिए जमानत याचिकाएं दायर की थीं। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने पहले बताया था कि एक गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार को एनसीबी ने बॉलीवुड जगत में ड्रग्स के सेवन की जांच के सिलसिले में सिंह के घर और कार्यालय की तलाशी ली और इस दौरान उनके घर से 86.5 ग्राम गांजा बरामद हुआ। एनसीबी की एक विज्ञप्ति में पहले बताया गया था, भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया ने गांजे का सेवन करना स्वीकार किया है। ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि सिंह के घर से कथित तौर पर बरामद मात्रा कानून के तहत ÷छोटी मात्रा÷ है। एक हजार ग्राम गांजे तक को छोटी मात्रा माना जाता है और इसके लिए छह महीने तक की जेल या 10,000 रुपये का जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है। वाणिज्यिक मात्रा (20 किलोग्राम या इससे अधिक) होनेपर 20 साल तक की जेल हो सकती है। इसके बीच की मात्रा के लिए 10 साल की जेल की सजा हो सकती है।

पासवान की जगह कौन ?

राज्यसभा चुनाव के लिए बीजेपी के सामने आया मुश्किल सवाल

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के संस्थापक रामविलास पासवान के निधन से खाली हुई राज्यसभा सीट पर चुनाव की घोषणा हो गई है. बिहार की इस एकलौती राज्यसभा सीट पर 14 दिसंबर को उपचुनाव होना है. एनडीए की ओर से रामविलास पासवान की जगह कौन राज्यसभा जाएगा, इसको लेकर सभी के मन में सवाल है. हालांकि, एलजेपी के हिस्से की यह सीट उसी के खाते में रहेगी या नहीं, इसको लेकर संशय बरकरार है. बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान एलजेपी प्रमुख चिराग पासवान ने जिस तरह से सीएम नीतीश कुमार को टारगेट किया और जेडीयू के खिलाफ अपने प्रत्याशी उतारे थे. ऐसे में जेडीयू ने साफ कर दिया है कि अगर राज्यसभा की सीट के लिए एलजेपी से किसी प्रत्याशी का नाम तय होता है तो जेडीयू द्वारा उसे समर्थन नहीं दिया जाएगा. वहीं, जेडीयू के समर्थन के बगैर एनडीए के लिए यह सीट जीतना मुश्किल है. बता दें कि केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के 2019 में लोकसभा सांसद बनने से राज्यसभा सीट खाली हुई थी, जिसके बाद लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे के समझौते के तहत

बीजेपी ने अपने कोटे से रामविलास पासवान को राज्यसभा भेजा था. ऐसे में पासवान के निधन से खाली हुई राज्यसभा सीट पर जिस तरह से समीकरण बन रहे हैं, उससे फिर से यह सीट बीजेपी के खाते में चली जाने की संभावना दिख रही है. एलजेपी के समक्ष संकट यह है कि उसके पास महज एक विधायक है. ऐसे में जीतना तो दूर की बात है, पांच प्रस्तावक भी अपने दम पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं. जेडीयू के वरिष्ठ नेता और नीतीश सरकार में वरिष्ठ मंत्री विजय चौधरी ने रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बीजेपी को इसके लिए सोचना चाहिए. एलजेपी प्रत्याशी के चलते बीजेपी भागलपुर विधानसभा की सीट हार गई है और जेडीयू को भी कई सीटों पर नुकसान हुआ है. जेडीयू के अशोक चौधरी, वशिष्ठ नारायण सिंह और दूसरे बड़े नेता भी एलजेपी को एनडीए से बाहर का रास्ता दिखाने की बात कह चुके हैं. ऐसे में जेडीयू के तल्ख तेवर को देखते हुए केंद्र में बीजेपी की सहयोगी एलजेपी को यह राज्यसभा सीट देना मुश्किल लग रहा है, क्योंकि एलजेपी प्रत्याशी उतरता है तो जेडीयू समर्थन नहीं करेगी.

कंगना के बंगले में तोड़फोड़ केस में 27 को बॉम्बे हाईकोर्ट सुनाएगा फैसला

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के मुंबई स्थित ऑफिस में बीएमसी की कार्रवाई के खिलाफ लगाई गई याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट 27 नवंबर को अपना फैसला सुनाएगी. बता दें कि बीएमसी द्वारा ऑफिस में की गई तोड़फोड़ के खिलाफ कंगना रनौत की तरफ से हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी. गौरतलब है कि बीएमसी ने 9 सितंबर को कंगना के ऑफिस के कुछ हिस्से को अवैध बताते हुए तोड़फोड़ की थी. हालांकि बाद में कोर्ट ने बीएमसी की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी. बता दें कि जिस वक्त बीएमसी ने मुंबई के ब्रांद्रा इलाके में पाली हिल में बने कंगना के ऑफिस में तोड़फोड़ की थी उस वक्त वे मुंबई में मौजूद नहीं थीं. आरोप है कि बीएमसी की यह कार्रवाई ट्विटर पर शिवसेना नेता संजय राउत के साथ कंगना रनौत के वाक्युद्ध के बाद की गई थी. उम्मीद की जा रही है कि 27 नवंबर को सुबह 11 बजे के आसपास कोर्ट इस मामले में अपना फैसला सुना देगी.

2004 की हार के लिए लालकृष्ण आडवाणी ने

वीएचपी को ठहराया था जिम्मेदार नई किताब में किया गया दावा

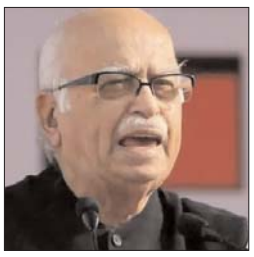

नई दिल्ली। लालकृष्ण आडवाणी, जिन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का सुझाव दिया और बाद में 2002 में गुजरात दंगों के बाद इस्तीफे की मांगों को खारिज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, 2004 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की हार के लिए वीएचपी को जिम्मेदार ठहराया था। एक किताब में इस बात का दावा किया गया है।
अपनी पुस्तक जुगलबंदी में, जो कि इंटरव्यू, निजी दस्तावेज और बीजेपी के इतिहास लेखन पर आधारित है, में लेखक विनय सीतापति का कहना है कि पार्टी की हार आंशिक रूप से बहुत अधिक विचारधारा पर केंद्रित थी। किताब के अनुसार, उस चुनाव में केंद्र में सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही भाजपा बहुमत से 100 सीट पीछे रह गई थी। आरएसएस ने अपने स्वयं के निदान की पेशकश की÷ ऋस्स् कोर मतदाता और कैडर ने एक उदासीनता दिखाई थी, क्योंकि विचारधारा में कमजोर पड़ने के बारे में धारणा बन गई थी। दूसरी तरफ आडवाणी और वाजपेयी बहुत अधिक विचारधारा को दोष देते हैं। हालांकि, यह आडवाणी ही थे जिन्होंने वाजपेयी को परास्त कर नरेंद्र मोदी के राजनीतिक जीवन की रक्षा की थी, लेकिन अब उन्हें एहसास हुआ कि उन्होंने क्या किया है। आडवाणी ने अपने पारिवारिक मित्र (वाजपेयी) को जल्द ही छोड़ दिया। उन्होंने कहा था वीएचपी ने हमें

नुकसान पहुंचाया। किताब के मुताबिक, चुनाव में मिली हार के लिए दोष दंगों पर लगाया गया था, जिसके लिए मोदी को अल्पसंख्यक समुदाय की रक्षा नहीं करने के लिए दोषी ठहराया गया था। ÷वाजपेयी ने 2002 के गुजरात दंगों के लिए दोषी ठहराया। उन्होंने कहा था कि यह वह गलती है जो हमने की थी। इसके तुरंत बाद भाजपा की एक बैठक में, उन्होंने मोदी को फिर से बर्खास्त करने की पैरवी की। साथ ही कहा गया कि यह गठबंधन के सहयोगियों के लिए महंगा साबित हुआ। किताब में आडवाणी और मोदी के संबंधों के बारे में भी बताया गया है। हालांकि, इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर जानकारी दी गई है। इसके अलावा, यह भी बताया गया है कि साल 2014 के आम चुनावों के पहले कैसे आडवाणी और मोदी के रिश्ते बदल गए। किताब में लिखा गया है, आम चुनावों के कैंपेन के लिए मोदी को चुने जाने के अगले दिन, उस शख्स ने जिसने अपनी पूरी जिदंगी जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी को मजबूत बनाने में बिता दी, पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। आडवाणी ने इस्तीफे के लिए जो पत्र लिखा था उसमें उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले से पार्टी का मौजूदा कामकाज जिस दिशा में जा रहा है, उससे सामंजस्य बैठाना मुश्किल हो रहा है। मैं अब यह महसूस नहीं कर पा रहा हूं कि यह वही आदर्शवादी पार्टी है, जिन्हें डॉ मुखर्जी, दीन दयाल जी, नानाजी और वाजपेयी जी ने बनाया था। इन सभी की एकमांत्र चिंता देश की जनता और उनके लिए काम करने की थी। वर्तमान समय में अधिकांश हमारे नेता अपने व्यक्तिगत एजेंडे को लेकर चिंतित हैं।

कोरोना: केजरीवाल सरकार का यू-टर्न

दो बाजार को सील करने का फैसला वापस लिया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सोमवार को कोरोनो वायरस (कोविद -19) दिशानिर्देशों के उल्लंघन को लेकर पश्चिम दिल्ली के जिलों के पंजाबी बाग और नांगलोई क्षेत्र में दो बाजारों को बंद करने का अपना आदेश वापस ले लिया। डीएम कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार ये दोनों बाजार 30 नवंबर तक बंद रहने थे। शुक्ल बाजार मार्केट एसोसिएशन, नांगलोई मार्केट के महासचिव सुभाष बिंदल ने कहा कि बाजार को सील करना गलत था। यहां सभी मानदंडों का पालन किया जा रहा था। उन्होंने बाजार के पास मुख्य सड़क पर भीड़ के आधार पर इसे सील कर दिया था। कल रात आदेश वापस ले लिया गया। इससे पहले रविवार को पश्चिमी जिला के अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) धर्मेंद्र कुमार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक पंजाबी बस्ती मार्केट और जनता मार्केट नांगलोई को बंद करने का आदेश दिया गया। आपदा प्रबंधन एक्ट में मिले अधिकार के तहत इस बाजार को बंद करने का आदेश जारी किया गया था। धर्मेंद्र कुमार ने बताया था कि दिवाली के समय भी यहां भीड़ हो रही थी। तब हमें लगा त्यौहार का समय है। मगर अब त्यौहार बीत गया है, मगर भीड़ कम नहीं हुई। बताते चले कुछ दिन पहले दिल्ली सरकार ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए जरूरत पड़ने पर बाजारों को बंद करने का निर्णय लिया था। मंजूरी के लिए प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेजा है। वहां अभी तक मंजूरी तो नहीं मिली है। मगर दिल्ली में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर अधिकारी कड़े फैसले ले रहे है। आधिकारियों की माने तो यह बाजार वैसे भी अवैध तरीके से लगता है। कोविड संक्रमण ना फैले इसलिए यह फैसला किया गया।

राजस्थान की सियासत में ओवैसी की एंट्री की सुगबुगाहट, कांग्रेस में बेचैनी

जयपुर। बिहार चुनावों में हार के लिए एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन औवेसी के जिम्मेदार बताने वाली कांग्रेस की बेचैनी अब और बढ़ सकती है। कारण ये है कि बिहार के बाद असदुद्दीन औवेसी अब राजस्थान की सियासत में दस्तक देने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक बंगाल चुनावों के बाद औवेसी राजस्थान में अपनी पार्टी के अध्यक्ष का ऐलान कर सकते हैं।

देवेंद्र फडणवीस बोले- एक दिन कराची भी भारत का हिस्सा होगा

अखंड भारत में विश्वास करती है भाजपा

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी यानी भारतीय जनता पार्टी अखंड भारत में विश्वास करती है और कराची एक दिन भारत का हिस्सा होगा। फडणवीस एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें शिवसेना नेता ने बांद्रा वेस्ट स्थित कराची स्वीट्स की दुकान के मालिक को कथित तौर पर कराची शब्द को हटाने के लिए कहा था। फडणवीस ने कहा, हम अखंड भारत में विश्वास करते हैं। हम यह भी मानते हैं कि कराची एक दिन भारत का हिस्सा होगा। शिवसेना नेता

नितिन मधुकर नंदगांवकर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कराची स्वीट्स दुकान के मालिक को दुकान का नाम बदलने के लिए कहा गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, वीडियो में शिवसेना नेता कहते हैं, आपको यह करना होगा, हम आपको समय दे रहे हैं। नितिन नंदगांवकर के बयान पर शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि ह निरर्थक मांग है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुकान का नाम बदलना पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं है। उन्होंने ट्वीट किया कराची बेकरी और कराची मिठाई पिछले 60 वर्षों से मुंबई में है। उनका पाकिस्तान से कोई लेना-देना नहीं है। अब उनके नामों को बदलने के लिए कहने का कोई मतलब नहीं है। उनका नाम बदलने के लिए शिवसेना का आधिकारिक रुख नहीं है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

तेजस्वी ने नीतीश सरकार पर बोला हमला

19 लाख बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिला तो सड़कों पर होगा जन आंदोलन

> उत्तर प्रदेश के गृह विभाग ने लव जिहाद के खिलाफ प्रस्तावित कानून का मसौदा तैयार कर लिया है। यह मसौदा परीक्षण के लिए विधायी विभाग को भेज दिया गया है। इसे संभवत- अगली कैबिनेट बैठक में पेश किया जा सकता है। विभाग ने कानून का जो मसौदा तैयार किया है उसमें 'लव जिहाद' शब्द का जिक्र नहीं है। इसे गैर कानूनी धर्मांतरण निरोधक बिल कहा जा रहा है।

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को नीतीश सरकार पर एक बार फिर से हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि यदि एक महीने के अंदर बिहार में 19 लाख बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिला तो हम सड़कों पर जन आंदोलन करेंगे। बिहार विधानसभा के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार भीष्म पितामह हैं, 15 साल में 60 बड़े घोटाले हुए हैं। भ्रष्टाचारियों का बचाव करना नीतीश कुमार की फितरत है। तेजस्वी ने आगे कहा कि जदयू चोरी से सत्ता में आई है। बिहार में नीतीश कुमार का दल तीसरे नंबर पर पहुंच

गया है। राजद सबसे बड़ी पार्टी हो गई है। उन्होंने कहा कि नीतीश कैबिनेट के दर्जनों मंत्री पर संगीन आरोप हैं।

तेजस्वी ने कसा जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष पर तंज

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भ्रष्टाचार को लेकर जदयू के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री अशोक चौधरी पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री अशोक चौधरी की पत्नी पर बैंक से करोड़ों की धोखाधड़ी का आरोप है और सीबीआई जांच कर रही है, कोर्ट में केस है। फिर भी अशोक चौधरी कहते हैं बीवी का भ्रष्टाचार नॉट ए बिग डील।

चुनाव पर फिर सवाल उठाया

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने चुनाव को लेकर फिर सवाल खड़ा किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि मॉक पोल से जुड़े कागजात स्ट्रांग रूम में होने चाहिए थे मगर वो रास्ते में पड़े मिले। कहा कि चुनाव आयोग को इस घटना की गहन पड़ताल कर दोषियों को नौकरी से बर्खास्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो फिर चुनाव कराने की रस्म अदायगी क्यों। तेजस्वी यादव रविवार शाम दिल्ली से पटना पहुंच गए। वे सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में शामिल होंगे।

बीपीएमयू की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

कैलारस। विकासखंड कैलारस में 23 नवंबर 2020 को समय दोपहर 12:00 बजे बी पी एम यू (विकासखंड परियोजना प्रबंधन इकाई) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता जालिम सिंह धाकड़ विकास खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा की गई एवं बैठक का संचालन बीए सी सी फखरुद्दीन खान द्वारा किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए बी ई ओ जालिम सिंह धाकड़ ने कहा कि सभी शिक्षक शिक्षिका निष्ठा प्रशिक्षण को समय सीमा में पूर्ण करें, पूर्ण न करने की स्थिति में शासन द्वारा कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जावेगी तथा सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं समय-समय पर होने वाले ऑनलाइन प्रशिक्षण मैं सहभागिता करें। उन्होंने कहा कि हमारा घर हमारा विद्यालय कार्यक्रम के तहत सभी जन शिक्षक फोन पर शिक्षक शिक्षिकाओं से संपर्क स्थापित करते रहें तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करावें एवं शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र-छात्राओं से नियमित संवाद स्थापित कर शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी लें व आवश्यक दिशा निर्देश दें। सभी शिक्षक मोहल्ला पाठशाला के अंतर्गत सभी छात्र छात्राओं को गृह कार्य अवश्य रूप से दें। श्री धाकड ने कहा कि सहभागिता वाला फॉर्म ऑनलाइन सभी शिक्षक शिक्षिकाएं दर्ज करा दें तथा सभी मॉनिटरिंग कर्ता अधिकारी गण शाला दर्पण पर नियमित रूप से निरीक्षण करें। अंग्रेजी लिट्रेसी कार्यक्रम प्रति शुक्रवार को आयोजित किया जाता है, इससे संबंधित जानकारी छात्र एवं छात्राओं को अवश्य दें तथा प्रति रविवार को आयोजित होने वाले कहानी कार्यक्रम की जानकारी भी नियमित रूप से बच्चों को देते रहें। सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं निष्ठा प्रशिक्षण के प्रत्येक मॉडल की डायरी संधारित करें, निष्ठा प्रशिक्षण करते समय किसी भी प्रकार की समस्या होने पर नोडल अधिकारियों जन शिक्षक एवं एमआईएस कोऑर्डिनेटर से ही केवल संपर्क स्थापित करें, निराकरण न होने की स्थिति में प्रशिक्षण प्रभारी से संपर्क स्थापित करें, दूरभाष पर अनावश्यक रूप से शिक्षक शिक्षिकाएं संपर्क स्थापित नहीं करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें तथा शासन के आदेशों का शत प्रतिशत पालन करना सुनिश्चित करें। बैठक में कोरोना महामारी को दृष्टिगत रखते हुए यथोचित सावधानी बरतते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया, मास्क एवं सैनिटाइजर का उपयोग किया गया। बैठक में शैक्षिक गुणवत्ता के विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा उनसे संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में प्रमुख रूप से प्रभारी प्राचार्य राम भजन शर्मा, बीआरसीसी वीरेंद्र सिंह धाकड़, बीए सी रमाकांत शर्मा, केशव शुक्ला, जन शिक्षक लाखन सिंह धाकड़, ज्ञान सिंह धाकड़, बृजेश बघेल, शिवचरण सिंह धाकड़, महेश कुमार शुक्ला, किशोर कुमार एवं प्रमोद कुमार शर्मा सहित सभी मॉनिटरिंग करता अधिकारी विशेष रुप से उपस्थित रहे।

श्री बड़े बाबाजी मंदिर पर हुआ विशाल अन्नकूट का आयोजन

पिछोर। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी भौंती में श्री बड़े बाबाजी महाराज मंदिर पर रविवार को विशाल अन्नकूट का आयोजन किया गया जिसमें सभी भक्तगणों ने आकर प्रसाद ग्रहण किया।गौरतलब है कि अन्नकूट का आयोजन पिछले 24 वर्षों से प्रतिवर्ष सभी भौंती ग्रामवासियों के सहयोग से श्री बड़े बाबाजी सेवा समिति द्वारा किया जाता है! कोरोना महामारी की वजह से इस बार समिति द्वारा आयोजन में विशेष इंतजाम किए गए एवं इसमें शामिल होने वाले भक्तजनों से मास्क पहनकर आने और सोशल डिस्टेन्स का पालन करने की अपील भी श्री बड़े बाबाजी सेवा समिति द्वारा की गई है । अन्नकूट प्रसाद का वितरण दोपहर 02: 00 बजे से प्रारंभ किया गया जिसमें हजारों भक्तो ने शासन की गाइडलाइंस का पालन करते हुए प्रसाद ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति का जायजा लेंगे

प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर जाकर करेंगे निर्माण कार्यों का निरीक्षण, राजधानी भोपाल में देखे विभिन्न निर्माणाधीन कार्य कार्यों की गति बढ़ाने के दिए निर्देश

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश के विभिन्न नगरों और ग्रामों का भ्रमण कर जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति देखेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसकी शुरुआत करते हुए आज भोपाल के विभिन्न क्षेत्र में जाकर जनता को मिल रही सुविधाओं और निर्माणाधीन कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इन कार्यों का अवलोकन करने के बाद संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में इन कार्यों की पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आम जनता को उन्हें मिलने वाली सुविधाओं से वंचित करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्ट्रेट भोपाल में लोक सेवा केन्द्र, राजधानी के नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और कोकता क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों का निरीक्षण किया।

लोक सेवा केन्द्र का निरीक्षण-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भोपाल नगर के निरीक्षण में सबसे पहले कलेक्ट्रेट स्थित लोक सेवा केन्द्र पहुंचकर आमजन से भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आवेदकों से भी चर्चा की, जिसमें जानकारी प्राप्त हुई कि उनके कार्य एक दिन में हो रहे हैं, लेकिन दस्तावेज की प्रति के लिए पांच रुपये प्रति दस्तावेज शुल्क भी देना होता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लोक सेवा केन्द्रों पर लगने वाले इस शुल्क में कमी के लिए नई नीति बनाई जाएगी। लोक सेवा केन्द्रों का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के साथ ही आमजन को इन कार्यों पर लगने वाले शुल्क के आर्थिक बोझ से भी बचाना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर भोपाल श्री अविनाश लवानिया को केन्द्र में शुल्क की व्यवस्था को परिवर्तित कर जनता को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आवेदक श्री गुलाब सिंह, श्रीमती पार्वती साहू और अन्य आवेदकों से उनके कार्य के निराकरण के संबंध में पूछा। मुख्यमंत्री ने काउंटर क्रमांक-1 पर बैठे सहायक श्री शिवम् और क्रमांक-2 पर ड्यूटी पर तैनात सुश्री माधुरी से भी चर्चा कर आम जनता को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रत्येक काउंटर पर बैठे कर्मचारियों द्वारा मास्क के उपयोग के लिए उनकी सराहना की।

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट कोहेफिजा का निरीक्षण-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भोजताल के पास कोहेफिजा अहमदाबाद क्षेत्र में नवनिर्मित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने प्लांट की निर्माण अवधि में विलंब की जानकारी प्राप्त की, जिसमें यह तथ्य प्रकाश में आया कि इसका निर्माण वर्ष 2019 में पूर्ण होना था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्लांट की शुरुआत से संबंधित प्रक्रियाओं को पूर्ण कर लोकार्पण की तिथि तय करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जलस्रोतों की शुद्धि के लिए इस तरह के प्लांट अपनी पूरी क्षमता से कार्य करें और इनका लाभ नागरिकों को प्राप्त हो, इस दिशा में अधिकारी गंभीर रहें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अन्य स्थानों पर निर्मित हो रहे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के अधूरे कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भोपाल शहर के इस तरह के तीन अन्य निर्माणाधीन प्लांट प्राथमिकता पूर्वक पूर्ण कर लोकार्पित कराने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास गृह, पात्र हितग्राहियों को सौंपे जाएं-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रायसेन रोड स्थित कोकता क्षेत्र में नगर-निगम भोपाल द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित किए जा रहे आवास गृहों का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि झुग्गी वासियों को भी स्वच्छ आवास में रहकर मुस्कराने का अधिकार है। आवास हर आदमी की जरूरत है। प्रदेश में सभी गरीबों को अपनी छत देने का लक्ष्य पूर्ण किया जाना है। पूर्व सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन के प्रति गंभीर रूख न अपनाने से अनेक स्थानों पर आवासों के निर्माण में देरी हुई है। इस कमी को दूर करते हुए निर्माणाधीन आवास तेजी से पूर्ण किए जाएं। कोकता स्थित आवास तीन श्रेणियों में निर्मित किए जा रहे हैं। कुल 2880 आवास निर्मित हो रहे हैं जिनमें 2016 ईडब्ल्यूएस आवासगृहों के अलावा एलआईजी और एमआईजी श्रेणी के 432-432 आवास शामिल हैं। इनके निर्माण के लिए केन्द्र सरकार द्वारा डेढ़ लाख और राज्य सरकार द्वारा डेढ़ लाख की राशि देने का प्रावधान है। हितग्राहियों को यह आवास 2 लाख रुपये में प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों को भी आवास सुविधा उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया जाएगा।

अब्बास नगर में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बाँटे मास्क-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना से बचाव के लिए जनता को जागरूक करने के लिए भोपाल की अब्बास नगर बस्ती जाकर बच्चों और बड़ों को मास्क वितरित किए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने फेस मास्क का उपयोग कर महामारी से बचाव की समझाइश भी दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री अब्दुल जमील, शानू, नफीसा, इल्मा, शान और मुस्कान को अपने हाथों से मास्क देकर इसके उपयोग का आग्रह किया। अब्बास नगर के अनेक निवासी उत्साहित थे और उन्होंने आश्चर्य के साथ यह कहकर मुख्यमंत्री श्री चौहान का स्वागत किया कि- मामू आ गए, मामू आ गए।

जिला कांग्रेस की बैठक 24 को, उपचुनाव की समीक्षा और जनसमस्याओं पर होगी चर्चा

अनिल पाराशर पुष्पांजलि टुडे क्राइम रिपोर्टर

भिण्ड। जिला कांग्रेस कमेठी की महत्वपूर्ण बैठक 24 नवंबर मंगलवार को सुबह 11.30 पर जिला कांग्रेस कार्यालय सर्किट हाउस भिण्ड में आयोजित की गई है। जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल भारद्वाज ने बताया बैठक में सिर्फ जिला कांग्रेस के पधादिकारी, मेहगाव,गोहद के मंडल अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष आमन्त्रित किए गए हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष जयश्रीराम बघेल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिले की दो सीटों पर संपन्न उपचुनाव की समीक्षा, और जिले में बाजरा खरीदी में जिला प्रशासन के संरक्षण में चल रही धांधली, और बस्तु अधिनियम में बदलाव के कारण आलू, प्याज, टमाटर, सहित कई रोजमर्रा की जरूरत वाली चीजों पर बेहताशा मंहगाई के चलते आंदोलन की रणनीति तैयार की जायेगी।

पंचायत राज संस्थाओं के प्रथम चरण के चुनाव हुए संपन्न मतदाताओं का आभार जताया

पाली. नेनाराम सिरवी रानी पाली. राजस्थान में पंचायत राज संस्थाओं के आम चुनाव 2020 जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव जिसमें तीन पंचायत समिति के चुनाव संपन्न हुए. जिसमें जिला परिषद के 9 वार्ड और पंचायत समिति के 53 वार्ड के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए. जिसमें बाली से सबसे ज्यादा 23 वार्ड रानी और देसूरी में 15 - 15 वार्ड के चुनाव संपन्न हुए. जिला परिषद वार्ड संख्या 17 भाजपा प्रत्याशी दुर्गा सीरवी और कांग्रेस प्रत्याशी गवरी देवी चौधरी दोनों प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम मशीन में हुआ कैद. रानी पंचायत समिति वार्ड संख्या दो के लिए सबसे ज्यादा रोचक मुकाबला ईवीएम मशीन में हुआ कैद जिसमें 2 राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के अलावा दो निर्दलीय प्रत्याशी भी अपना भाग्य आजमा रहे हैं. भाजपा प्रत्याशी संतोष कंवर राजपुरोहित कांग्रेस प्रत्याशी चंपा कंवर राजपुरोहित निर्दलीय प्रत्याशी विक्रम कंवर राणावत सुनीता कंवर राजपुरोहित और जिला परिषद वार्ड संख्या 17 भाजपा प्रत्याशी दुर्गा सिरवी और गवरी देवी चौधरी द्वारा संपूर्ण मतदाताओं का आभार जताया. रानी पंचायत समिति वार्ड संख्या 8 भाजपा प्रत्याशी एवं निवर्तमान प्रधान पंचायत समिति रानी नवरत्न सीरवी एवं कई जाने-माने राजघराने की हस्तियों के भाग्य का फैसला ईवीएम मशीन में हुआ कैद. आज संपन्न हुए चुनाव में भूतपूर्व प्रधान पंचायत समिति रानी के धर्मपत्नी प्रेम कंवर राणावत सहित भाजपा एवं कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी अपना भाग्य आजमा रहे.

पंजाब में भाजपा अब अकेले लड़ेगी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का खुलासा, सभी सीटों पर उतारेंगे उम्मीदवार

अभिषेक मिश्रा राज्य ब्यूरो प्रमुख हिमाचल प्रदेश

पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन टूटने के बाद अब भाजपा का पंजाब में पूरा फोकस है। इस बार का विधानसभा चुनाव पार्टी अपने दम पर लड़ेगी और सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा, जिसके लिए पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहां भाजपा व केंद्र सरकार की नीतियों व कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, यह बात विजयपुर निवास में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कही। उन्होंने बताया कि बिहार में जीत के बाद अब पार्टी का लक्ष्य पश्चिम बंगाल में जीत दर्ज करना है। कुछ समय पहले वह बंगाल का एकदिनी प्रवास करके लौटे हैं और वहां पर पार्टी सशक्त एवं मजबूत है। इस बार बंगाल में भाजपा का परचम लहराएगा। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को बंगाल की बागडोर सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि बंगाल में ममता के नीचे से धरती खिसक चुकी है और वह बौखलाहट में हैं। बंगाल में स्टेट स्पॉसंर्ड पुलिस एक्शन, नेपोटिज्म, क्रप्शन और कुशासन की प्रतिमूर्ति बन गई है। अब वहां पर भाजपा को लोग सीधे-सीधे जिताने के लिए मन बना चुके हैं, क्योंकि वहां पर उनका सरकार की प्रजातांत्रिक व्यवस्थाओं में विश्वास नहीं रह गया है। जनता शांति, विकास, भ्रष्टाचारमुक्त एवं विकासयुक्त सुशासन देखना चाहती है। श्री नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जब वह दो लोकसभा चुनावों के प्रभारी के तौर पर गए थे, तो महज एक सीट को छोड़कर बाकी सभी सीटें भाजपा की झोली में आई थीं। उस समय भाजपा को 128 हलकों में लीड मिली थी। इससे साफ जाहिर है कि वहां की जनता ममता बनर्जी की सरकार से ऊब चुकी है और सरकार को सत्ता से बाहर करने का मन बना चुकी है। भाजपा इस बार वहां पर अपना परचम लहराएगी। इस बाबत पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी है। वहां पार्टी कार्यकर्ताओं व आमजन में भारी उत्साह है और निश्चित रूप से कमल खिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चहुंओर कमल ही कमल खिला है। जिन राज्यों में चुनाव प्रस्तावित हैं, वहां पर भी निश्चित रूप से पार्टी रिकार्ड जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट में मोदी सरकार बेहतर काम कर रही है और आमजन के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए कोरोना संकट से निपटने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। कोरोना में लॉकडाउन की वजह से पार्टी की गतिविधियों व कार्यक्रमों को सुचारू रूप से जारी रखा गया, जिसके तहत वह खुद वर्चुअल मीटिंग के तहत कार्यकर्ताओं से रू-ब-रू होते रहे। हालांकि जो मीटिंग तीसरे माह होती थी, वह हर तीसरे दिन की गई। बिहार में उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी को सरकार में तवज्जो न मिलने के सवाल में जेपी नड्डा ने कहा कि सुशील मोदी वरिष्ठ नेता हैं और उन्होंने पार्टी के लिए अच्छा काम किया है। वह पार्टी के सच्चे सिपाही हैं। नए लोगों को पार्टी व सरकार में काम करने का अवसर मिला है। कई राज्यों में नए प्रभारी व सहप्रभारी लगाए गए हैं। पार्टी में इस बार 70 फीसदी लोगों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी को सशक्त बनाने के लिए दिन-रात मेहनत की जा रही है और सरकार के साथ पार्टी कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

गारबेज शुल्क के बिना जमा होगा सम्पत्ति कर : संभागीय आयुक्त

शीघ्र ही भोपाल से सॉफ्टवेयर में होगा बदलाव, तब तक किसी को जबरन गारबेज वसूली के लिए नहीं किया जाएगा परेशान

ग्वालियर। गत् दिवस एमपीसीसीआई द्वारा संभागीय आयुक्त-श्री आशीष सक्सेना जी से मोबाइल पर चर्चा की गई और गारबेज शुल्क के संबंध में पूर्व में हुए निर्णय के संबंध में अवगत कराते हुए, उसका पालन नहीं किए जाने की बात से अवगत कराया गया । एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संरुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी संरुक्त सचिव-श्री ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-श्री वसंत अग्रवाल ने बताया है कि शनिवार को मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा संभागीय आयुक्त, श्री आशीष सक्सेना जी से गारबेज शुल्क की जबरन वसूली के संबंध में मोबाइल पर विस्तार से चर्चा हुई । चर्चा में संभागीय आयुक्त द्वारा मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल को आश्वस्त किया गया कि उनके द्वारा भोपाल में चर्चा कर, शीघ्र ही इसके सॉफ्टवेयर में परिवर्तन किया जाएगा और उसके बाद बिना गारबेज शुल्क के शहर के भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर जमा किया जा सकेगा । संभागीय आयुक्त ने एमपीसीसीआई को आश्?वस्त किया कि सम्पत्ति कर के साथ, गारबेज शुल्क की जबरन वसूली की कार्यवाही नहीं की जाएगी, यदि कोई करता है, तो इसकी जानकारी उनके संज्ञान में लाई जाए, ताकि उसे रोका जा सके ।

गाय बनेगी आर्थिक स्वावलंबन का आधार : मुख्यमंत्री श्री चौहान

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गौ-धन संरक्षण और संवर्धन के लिए गठित मंत्रिपरिषद समिति की वर्चुअल बैठक में कहा कि गौ-वंश के प्रति हमारी आस्था और श्रद्धा है। प्राचीनकाल में गाय और बैल ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार थे। वर्तमान में भी गौ-संरक्षण और संवर्धन के कार्य आर्थिक स्वावलम्बन का आधार बन सकते हैं। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। इस दिशा में गौ-माता अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। गाय का दूध अमृत है। कुपोषण को दूर करने में गाय के दूध का भरपूर उपयोग हो सकता है। गाय का गोबर कृषि के लिये संजीवनी है। इसका उपयोग खाद बनाने में कर रासायनिक खाद के उपयोग को कम किया जा सकता है। गोबर से बड़े स्तर पर गौ-काष्ठ का निर्माण और उपयोग कर लकड़ी के प्रयोग को कम किया जा सकता है। जंगलों को बचाया जा सकता है। गौ-मूत्र से कीटनाशक और औषधियां बनती है।

गौ-मूत्र, गोबर, दूध का पूर्ण उपयोग-राज्य सरकार गौ-संरक्षण और संवर्धन के साथ दूध, गोबर और गौ-मूत्र का उपयोग पूरी गम्भीरता के साथ मानव कल्याण के लिए करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गौ-संरक्षण, संवर्धन के लिए पशुपालन विभाग, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, गृह, वन और राजस्व विभागों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा गौ-संरक्षण एवं संवर्धन में मध्यप्रदेश देश में मिसाल कायम करे ऐसे प्रयास होंगे। गौ-संरक्षण एवं संवर्धन के लिये गठित मंत्रिपरिषद समिति की बैठक में निम्नानुसार निर्णय लिये गये हैं।

गौ-शालाओं का बेहतर संचालन-मुख्यमंत्री गौ-सेवा योजना अंतर्गत स्वीकृत गौ-शालाओं का संचालन शासन द्वारा सक्षम और इच्छुक समाजसेवी संस्थाओं तथा स्व-सहायता समूह के सहयोग से किया जाएगा। गौ-शालाओं के संचालन में जनसहयोग लिया जाएगा। गौ-शालाओं के संचालन और गौ-संरक्षण एवं संवर्धन के लिये आवश्यक होने पर वित्तीय संसाधन जुटाने के लिये उपकर लगाया जा सकता है। इस उपकर को लगाने में यह विशेष रूप से ध्यान रखा जाएगा कि आमजन पर आर्थिक भार नहीं बढ़े। गोबर गैस प्लान्ट स्थापित करने की भारत सरकार की योजना के अंतर्गत ग्रामों में गोबर गैस प्लान्ट स्थापित किये जा सकेंगे। ग्रामीण परिवारों को गोबर गैस प्लान्ट से कनेक्शन दिये जा सकेंगे।

बाजरा खरीदी में धांधली अनियमितता, लेटलतीफी जारी

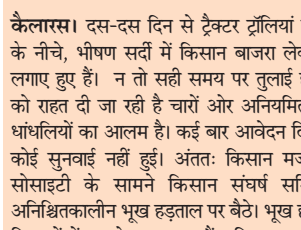

किसानों ने शुरू की अनिश्चितकाली न भूख हड़ताल

कैलारस। दस-दस दिन से ट्रैक्टर ट्रॉलियां लेकर खुले आसमान के नीचे, भीषण सर्दी में किसान बाजरा लेकर लंबी-लंबी कतारें लगाए हुए हैं। न तो सही समय पर तुलाई हो रही है, न किसानों को राहत दी जा रही है चारों ओर अनियमितता, लेटलतीफी और धांधलियों का आलम है। कई बार आवेदन दिए गए ज्ञापन दिए गए कोई सुनवाई नहीं हुई। अंततः किसान मजबूर होकर तिलोंजरी सोसाइटी के सामने किसान संघर्ष समिति के बैनर तले अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे। भूख हड़ताल पर बैठने वाले किसानों में कमलेश धाकड, भौरू सिह धाकड, सुगर लाल धाकड, रामप्रकाश धाकड, मनफूल धाकड, सुरैन्द्र धाकड, रामचंद्र धाकड, वासुदेव धाकड, केदार धाकड, जगदीश राठौर, अजय कुमार रावत प्रमुख रहे। आंदोलन स्थल पर पहुंचकर मध्य प्रदेश किसान सभा के उपाध्यक्ष गयाराम सिंह धाकड़ ने आंदोलन के प्रति एकजुटता प्रकट की तथा किसानों का हर किस्मी सहयोग करने का आश्वासन दिया। ज्ञातव्य हो कि विगत कई दिनों से किसान इस समस्या को लेकर परेशान हैं, कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार भोपाल टीम द्वारा कई निरीक्षण किए गए, निर्देश दिए गए, परंतु समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ। किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

VISION 2020
ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती
जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।
ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।
Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

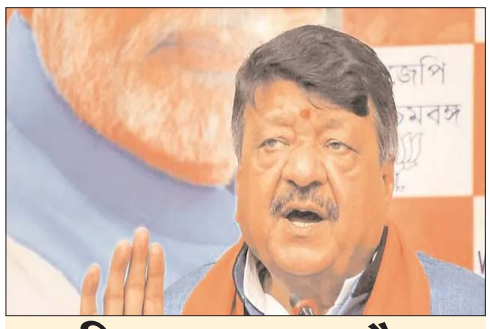

लव जिहाद कानून पर कैलाश विजयवर्गीय बोले- यह धर्मांतरण की साजिश रचने वालों के खिलाफ

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने लव जिहाद कानून को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा गिए बयान पर कहा कि धर्म परिवर्तन के इरादे के साथ अंतर-धर्म विवाह पर कानून को निशाना बनाया गया था। बीजेपी नेता ने इंदौर में कहा, हमें इसकी (लव जिहाद की) परिभाषा समझने की आवश्यकता है। अंतर-धर्म विवाह के पीछे की साजिश के खिलाफ कानून बनाया जा रहा है। प्रेम सनातन और सहज है; यह धर्म या जाति नहीं देखता। लेकिन अगर कोई धर्मांतरण की योजना या इरादे के साथ प्यार करता है और शादी करता है तो यह कानून उनके लिए है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाले राज्यों की खिंचाई की और कहा कि क्या भाजपा नेताओं के परिवार के सदस्यों का अंतर-धर्म विवाह लव जिहाद की परिभाषा के तहत होगा? उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में घोषणा की थी कि उनकी सरकार लव जिहाद पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून लाएगी और धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करेगी। इससे पहले, मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने कहा था कि राज्य में जल्द ही लव जिहाद के खिलाफ कानून होगा। कर्नाटक ने भी लव जिहाद के खिलाफ सख्त कानून तैयार किया है। इस साल 4 फरवरी को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कानूनों के तहत लव जिहाद शब्द को परिभाषित नहीं किया गया है और अब तक इस तरह का कोई मामला सामने नहीं आया है। अभी तक किसी भी केंद्रीय एजेंसी द्वारा ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है। हालांकि, गृह मंत्रालय के अनुसार, केरल में अंतर-विवाह विवाहों से जुड़े दो मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा की गई है।

मप्र में कोरोना वायरस से संक्रमण के 1798 नए मामले सामने आए, 13 और लोगों की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमण के 1798 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाये गये लोगों की कुल संख्या 193044 तक पहुंच गई। राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से 13 और व्यक्तियों की मौत की पुष्टि हुई है जिससे इस महामारी में मरने वालों की संख्या 3162 हो गई है। मध्य प्रदेश के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से इंदौर में तीन, ग्वालियर व जबलपुर में दो-दो, और भोपाल, सागर, होशंगाबाद, दमोह, देवास एवं हरदा में एक-एक मरीज की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में

अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 732 मौत इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 505, उज्जैन में 99, सागर में 133, जबलपुर में 218 एवं ग्वालियर में 174 लोगों की मौत हुई हैं। बाकी मौतें अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में रविवार को कोविड-19 के 546 नए मामले इंदौर जिले में आये हैं, जबकि भोपाल में 301, ग्वालियर में 88 और जबलपुर में 77 नए मामले आए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 193044 संक्रमितों में से अब तक 178117 मरीज स्वस्थ होकर घर चले गए हैं और 11765 मरीज़ों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि रविवार को 1,212 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

मप्र में दलित परिवार की पिटाई मामले की जांच के लिए टीमों का गठन, स्वक ने किया गांव का दौरा

दतिया। मध्य प्रदेश के दतिया जिले के चिरगई गांव में दलित परिवार के साथ मार-पीट करने के मामले की तहकीकात करने के लिए तीन टीमों को गठन किया गया है। यह जानकारी रविवार को एसपी अमन सिंह राठौर ने दी। आपको बता दें, मध्य प्रदेश के दतिया के गोंदन थाना क्षेत्र के चिरगई गांव में दर्जन भर से ज्यादा दबंगों ने एक दलित परिवार के साथ जम कर हिंसा की थी। दबंगों ने दो सगे भाइयों को बंदूकों की बट और कुल्हाड़ियों के हत्थे से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया था। खौफ पैदा करने के लिए उन्होंने उस दलित परिवार के घर के एक हिस्से में आग लगा भी लगा दी थी। दबंगों ने गांव में दहशत फैलाने के लिए हवाई फायर किए और एक घंटे तक हुड़दंग मचाया था। यह देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए और दबंगों को घेरकर उनकी तीन बाइकों को आग के हवाले कर दिया था। घायलों में से एक संदीप धोरे ने बताया कि पवन यादव के कहने पर उनके घर में 12 लोग जबरदस्ती घुस आए। संदीप और उनके भाई की बुरी तरह से पिटाई करने के बाद उनके घर के एक हिस्से में आग लगा दी। दतिया के एसपी राठौर ने कहा है कि यह देखने में आ रहा है कि पीड़ितों ने आरोपियों की बाइक में आग लगा दी थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कुछ अज्ञात अराजक तत्वों ने 21 नवंबर के दिन एक दलित परिवार के दो सदस्यों की पिटाई की और उनके घर के एक हिस्से में आग लगा दी। हवाई फायरिंग भी की गई। उन्होंने कहा, इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। इस मामले की तहकीकात करने के लिए हमने 3 से 4 टीमों का गठन किया है। मैंने एएसपी के साथ रविवार को गांव का दौरा किया और स्थिति की जांच की है। हम गांव में शांति स्थापना के लिए प्रयासरत हैं। संदीप और उसका भाई मैथिली दोहरे अस्पताल में भर्ती हैं। संदीप ने कहा कि उसके छोटे भाई संतराम दोहरे का यादव के साथ 2018 में मेहनताने के भुगतान को लेकर कुछ विवाद हुआ था। उसने कहा, पुलिस ने एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। यादव हम पर एक पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव बना रहा था। जब हम राजी नहीं हुए तो उसने 12 लोगों सके साथ आकर हम पर हमला बोल दिया।

बस्ती में आईएएस ऑफिसर बताकर नौकरी के नाम पर 22 लाख हड़पे

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के कप्तानगंज क्षेत्र में खुद को केरल कैडर का आईएएस अधिकारी बताकर नौकरी दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति ने दो लोगों से 22 लाख रुपये हड़प लिए। नगर थाने की पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के रमवापुर निवासी जयराम यादव ने नगर पुलिस को तहरीर दी है। इसमें कहा है कि थाना क्षेत्र सराय निवासी जगदीश प्रसाद वर्मा खुद को केरल में नियुक्त आईएएस अधिकारी बताता है। उसने उसकी पुत्री को नौकरी दिलाने के नाम पर 11 लाख रुपये दिसम्बर, 2018 में लिए थे। साथ ही उसके परिचित सत्यराम चौधरी निवासी कठौतिया, थाना नगर से उसके बेटे को नौकरी दिलाने के नाम पर दो किस्तों में 11 लाख रुपये ले लिए। इसमें से छह लाख रुपये परिचित से उसने प्रयागराज के फाफामऊ स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में अपनी पत्नी के अकाउंट में मंगाए थे। नौकरी न मिलने और ज्यादा समय बीतने पर जब रुपये वापस मांगे तो देने से मना कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि उल्टे आरोपी ने रंगदारी के मामले में उसे फंसाने के लिए प्रयागराज से अपने वकील के माध्यम से नोटिस भेज दिया। पीड़ित के मुताबिक आरोपी से हुई वार्तालाप की रिकॉर्डिंग तथा लेनदेन के अन्य साक्ष्य पुलिस को सौंपे गए हैं। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना कर रही है। प्रभारी निरीक्षक नगर बाजार सदानंद पांडेय ने का कहना है कि प्रथमदृष्टया मामला सही प्रतीत होता है। तहरीर की आधार पर जांच कर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कोरोना का कहर : लखनऊ-नई दिल्ली तेजस एक्सप्रेस आज से अगले आदेश तक बंद

लखनऊ। देश की पहली कारपोरेट ट्रेन तेजस का संचालन आज से अगले आदेश तक बंद होने जा रहा है। लखनऊ नई दिल्ली के चल रही तेजस का संचालन आईआरसीटीसी के जिम्मे था। जोकि कोरोना काल की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। क्योंकि 23 नवंबर के बाद 20 से 30 यात्री ही रोजाना सीटों की बुकिंग करा रहे थे। ऐसे में यात्री आभाव और फ्लेक्सी किराया से महंगा सफर यात्रियों को राहत नहीं दे सका। जबकि ट्रेन में ढेरों यात्री सुविधाएं थी। बावजूद रेलवे प्रशासन यात्रियों को आकर्षित नहीं कर सके। ऐसे में रेलवे बोर्ड ने आईआरसीटीसी को 23 नवंबर से अगले आदेश तक ट्रेन को निरस्त करने के लिए आदेश दिए हैं। हलांकि आईआरसीटीसी ने रेलवे बोर्ड को 23 नवंबर से ट्रेन को निरस्त करने के लिए पत्र लिखा था। पहली बार लखनऊ से तेजस ट्रेन का संचालन चार अक्तूबर 2019 को शुरू हुआ था। अंतिम बार तेजस ट्रेन 22 नवंबर की सुबह साढ़े छह बजे लखनऊ से नई दिल्ली 200 करीब यात्री लेकर रवाना हुई।

दीपावली में भी खाली रही सीटें-मार्च में लॉकडाउन बाद तेजस ट्रेन का संचालन

17 अक्तूबर को शुरू हुआ था। उम्मीद थी दीपावली में यात्री मिलेंगे। पर, ऐसा हो नहीं सका। जबकि एडवांस में 10 दिन का आरक्षण बढ़ाकर एक महीने कर दिया गया। बावजूद यात्री नहीं मिलने वाली वजह से 14 नवंबर को तेजस को रद्द करना पड़ा।

शताब्दी, एसी स्पेशल व लखनऊ मेल पर भी संकट-लखनऊ दिल्ली लखनऊ के बीच यात्रियों की कम संख्या की वजह से शताब्दी, लखनऊ मेल व एसी स्पेशल जैसे वीआईपी ट्रेनों का हाल खराब है। इन सभी ट्रेनों में हर चेयरकार से लेकर स्लीपर तक के खींटें खाली चल रही है। इन ट्रेनों में यात्री न मिलने की वजह डायनमिक फेयर लागू करना। इससे ट्रेनों में 40 फीसदी ही सीटों की बुकिंग हो रही है।

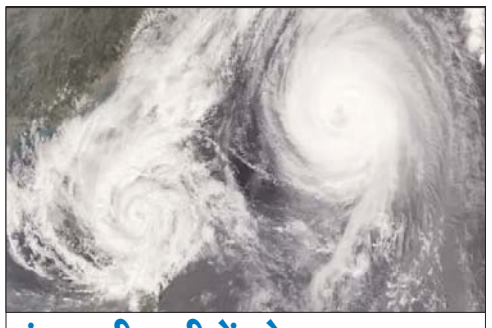

बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात तूफान गति का यूपी पर कोई असर नहीं

लखनऊ। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवातीय तूफान गति से फिलहाल उत्तर प्रदेश के मौसम पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मौसम निदेशक जेपी गुप्त ने बताया कि अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में आसमान साफ रहेगा, धूप खिलेगी और अगले दो दिनों के बाद दिन व रात के तापमान में गिरावट के बजाए बढ़ोत्तरी होगी। सुबह हल्का कोहरा छाया रह सकता है। कहीं-कहीं हल्की धुंध भी रह सकती है। बीते 24 घंटों के दरम्यान प्रदेश में दिन के तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। झांसी, गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर मण्डलों में दिन के तापमान में आंशिक गिरावट दर्ज की गई। रात के तापमान में भी कोई खास फर्क नहीं पड़ा। गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर मण्डलों में रात के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट नहीं आई। वाराणसी, बरेली, अयोध्या, प्रयागराज, लखनऊ, मुरादाबाद, झांसी, आगरा मण्डलों में रात का तापमान सामान्य से कम रहा। शनिवार को सबसे कम 6.2 डिग्री सेल्सियस रात का तापमान मुजफ्फरनगर में दर्ज हुआ।

सीएम योगी को फिर मिली जान से मारने की धमकी, डायल 112 पर आया मैसेज

लखनऊ। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार एक नाबालिग ने डायल 112 पर मैसेज किया जिसमें योगी को धमकी देते हुए अशब्दों का इस्तेमाल किया। सूचना के बाद पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई। कुछ देर में सुशांत गोल्फ सिटी थाने की पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास मोबाइल और सिम बरामद कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी को बाल सुधार गृह भेज दिया।

आपको बता दें कि इससे पहले भी 21 मई को सीएम योगी को जान से मारने की धमकी मिली थी। यह धमकी भी यूपी पुलिस के 112 मुख्यालय में एक वॉट्सएप मैसेज के जरिए मिली थी। मैसेज में लिखा है कि सीएम योगी को मैं बम से मारने वाला हूं। वह (एक खास समुदाय का नाम लिखा) की जान का दुश्मन है। आरोपी कमरान को पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी कामरान की गिरफ्तारी के बाद यूपी पुलिस की सोशल मीडिया हेल्प डेस्क को एक और धमकी मिली थी। इस मैसेज में मुंबई से गिरफ्तार किए गए

कामरान को छोड़ने और ऐसा न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। यूपी एटीएस ने इसकी जानकारी महाराष्ट्र एटीएस के साथ साझा की। इसके बाद महाराष्ट्र एटीएस ने जानकारी के बाद 20 साल के फैसल को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के मुताबिक यह दारुसलम कॉलोनी, मदीना चौक, नासिक का रहने वाला था।

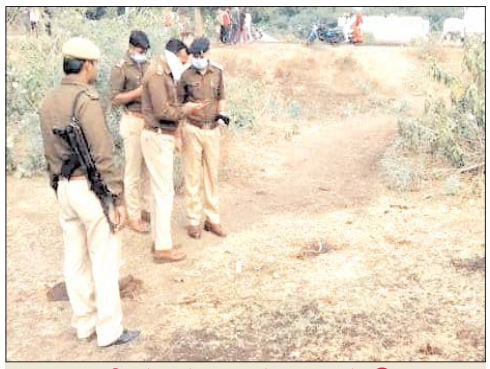

श्रावस्ती में खेत को जा रहे किसान की हत्या, एक को पुलिस ने उठाया

श्रावस्ती। यूपी के श्रावस्ती जिले में खेत में फसल की रखवाली कर रहे पुत्र को खाना देने जा रहे किसान की बदमाशों ने हत्या कर दी। हत्या के बाद शव नहर के किनारे पुआल के ढेर के करीब फेंक कर भाग गए। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों पर मामला दर्ज करके शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोनवा थाने के ग्राम बाबूपुरवा निवासी छबीले 45 पुत्र सूर्यलाल के घर रविवार को मेहमान आए थे। मेहमानों को खाना खिलाने के बाद वह अपने लड़के को खेत में खाना देने के लिए साइकिल से गया था। छबीले के घर से निकलने के करीब एक घंटे के बाद गांव का ही लाल बहादुर पुत्र सत्तन आया और परिजनों को बताया कि छबीले को कुछ लोग नहर के किनारे मार रहे हैं। इस पर ग्रमीणों के साथ परिजन मौके पर पहुंचे तो कोई नहीं मिला। इस लोग आसपास खोज करने लगे। करीब 500 मीटर दूर सरयू नहर की पटरी पर पुआल के ढेर के पास छबीले का शव बरामद किया गया। ग्रमीणों ने इसकी सूचना सोनवा पुलिस को दी। थानाध्यक्ष मौके पर पहुंच गए और अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। इस पर एएसपी बीसी दूबे ने मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण किया। बेटे की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है।

26 नवंबर से बजेगी शहनाई, दिसंबर तक सिर्फ 11 शुभ विवाह मुहूर्त

लखनऊ। लंबे इंतजार के बाद 26 नवंबर को देवोत्थानी एकादशी (तुलसी विवाह) से मांगलिक कार्य होने शुरू हो जाएंगे। साल अंतिम पड़ाव की ओर है। 11 दिसम्बर तक ही शादी की शहनाई बज सकेगी। 26 नवंबर से 11 दिसंबर तक विवाह के लिए सिर्फ 11 शुभ मुहूर्त हैं।

विवाह के शुभ मुहूर्त कम होने के कारण लोग जल्द से जल्द मंडप, बैंड- बाजा और बग्घी बुक करा रहे हैं जिससे किसी तरह की परेशानी न हो। लॉकडाउन के बाद बारातघर, बैंड-बाजा संचालकों के काम पूरी तरह से ठप हो गए थे। अब बुकिंग तेज होने से इन कारोबार से जुड़े लोगों में उम्मीद की आस जगी है।

चूके तो अप्रैल तक करना होगा इंतजार-ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि नवंबर में

26, 29 व 30 नवंबर और 1,2,6,7,8,9,10 और 11 दिसंबर को ही शुभ मुहूर्त हैं। इसके बाद 16 दिसम्बर से सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करने से खरमास लग जाएगा। मकर संक्रांति 14 जनवरी तक खरमास में विवाह के लिए मुहूर्त नहीं हैं। वर्ष 2021 में 19 जनवरी से 15 फरवरी तक 27 दिन गुरु तारा अस्त हो जाएगा। इसके बाद 17 फरवरी से 17 अप्रैल तक 60 दिन तक शुक्र तारा अस्त रहेगा। इसके बाद 22 अप्रैल से विवाह मुहूर्त हैं।

लॉक डाउन में टली शादियां अब करने की तैयारी-मार्च के चौथे सप्ताह में लॉकडाउन लगने से किसी भी तरह के सामूहिक आयोजन पर रोक लग गई थी। इसके बाद अनलॉक में कुछ शादियां हुईं। पर बेहद सीमित संख्या में लोगों को शामिल होने की शर्त के कारण बहुत बहुत कम शादियां हुईं। इसके बाद पांच माह से लग्न न होने के कारण शादियां पूरी तरह से रुक गईं। अब एक बार फिर शादी का माहौल दिखेगा।

कोरोना की दूसरी लहर के कारण जल्दबाजी में हैं लोग-चौक निवासी अजय पांडेय की शादी एक दिसंबर को है। उनका कहना है कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए कब लॉकडाउन लग जाए भरोसा नहीं है। इसीलिए जल्द ही शादी की तारीख तय कर दी गई है।

कानपुर में बेटियों को शिक्षित कर पूर्व राष्ट्रपति की बेटी ने कल्पना को दिए पंख

कानपुर। मेहनत, हिम्मत और लगन से कल्पना साकार होती है। कानपुर में इसका एक उदाहरण हैं आईआईटी से जुड़े बारासिरोही में रह रहीं विजया रामचंद्रन यानी विजया दीदी। विजया रामचंद्रन पूर्व राष्ट्रपति रामास्वामी वेंकटरमण की बेटी हैं और पिछले पांच दशकों में 50 हजार से अधिक बच्चों को पढ़ा लिखा कर किसी मुकाम तक पहुंचा चुकी हैं। इनमें 60 फीसदी से ज्यादा बेटियां हैं। मजदूर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की मदद में कभी पीछे नहीं रहीं। इन्हें सरकारी मदद दिलाई। नहीं मिली तो अपने संसाधनों से हिम्मत बख्शी। विजया दीदी का आईआईटी से सीधा नाता है। 1965 में वह कैंपस में दाखिल हुई। उनके पति प्रोफेसर आर रामचंद्रन यहां फिजिक्स के प्रोफेसर थे। रहम दिल दीदी उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने आईआईटी कैंपस में ऑपरच्युनिटी स्कूल की स्थापना कराई ताकि यहां के वर्कर्स के बच्चे इसमें पढ़ सकें। विजया दीदी ने यहां से सेवा का जो क्रम शुरू किया वह 70 वर्ष से ज्यादा की उम्र में भी कायम है। पति चेन्नई शिफ्ट हो गए लेकिन उन्होंने आईआईटी के आसपास ईंट-भट्टों में काम करने वाले मजदूरों को ताकत देने और उनके बच्चों को पढ़ाने का जो संकल्प लिया और वह अब भी कायम है।

हर तरह से की मदद-विजया दीदी बताती हैं कि ईंट-भट्ठा मजदूरों में सबसे अधिक निरीह महिलाएं होती हैं। जहां काम करती हैं वहां न रहने की जगह होती है और न पीने का पानी। 1986 में हमने अपने काम का विस्तार कर दिया। विशेषकर महिला मजदूरों की सरकारी या गैर सरकारी जो भी मदद मिल सकती थी, वह दिलाई। इनके स्वास्थ्य की चिंता की। इनके बच्चों के लिए अपना स्कूल शुरू कर दिया। अपना स्कूल ने इन मजदूरों की बुझी किस्मत को रोशन कर दिया।

बेटियों ने छुआ आसमान-दीदी बताती हैं कि क्या कोई सोच सकता है कि इन मजदूरों की बेटियां डिग्री कॉलेजों, पॉलीटेक्निक या ऐसे ही संस्थानों में पढ़ सकेंगी। मेरे पास ऐसी बेटियों की संख्या इतनी है कि मैं इनका कोई रिकॉर्ड नहीं रख सकती। सिर्फ बेटियां ही नहीं बेटे भी इतने ऊंचे ओहदों पर पहुंच गए हैं जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। जो बेटियां 10वीं, 12वीं पढ़ गईं और उनकी शादियां हो गईं तो वे इतनी जागरूक हो गईं कि उनकी अगली पीढ़ी खुद स्कूल जाने लगी।

अपना घर का रोल भी खूब-विजया दीदी कहती हैं कि अपना स्कूल के साथ एक अपना घर भी बनाया। यह मजदूर तो पलायन कर जाते थे लेकिन इनके बेटे-बेटियां यहीं रह जाते थे ताकि उनकी शिक्षा में किसी तरह का व्यवधान न हो। यही नहीं जो मजदूर बिहार पलायन कर जाते थे उनके लिए हनुमानगढ़ी, मेहता गांव में पढ़ने की व्यवस्था की ताकि पढ़ाई न रुके।

बेटियों से दिखता है बदलाव-दीदी कहती हैं कि जैसे ईंट-भट्ठा मजदूरों का कोई घर नहीं है, वैसे मेरा भी कोई घर नहीं है। बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाया। दोनों ही प्रोफेसर हैं। बेटी शांति निकेतन में और बेटा विदेश में है। दोनों के अंदर मदद का जज्बा बहुत है। विजया दीदी कहती हैं कि जो बच्चे पढ़ लिख कर कुछ बन गए, वे भी मेरी मदद करते हैं। बेटियों की शिक्षा बहुत जरूरी है। वे शिक्षित होंगी तो समाज में परिवर्तन स्वयं दिखेगा।

सम्पादकीय

चेहरों के साथ अन्याय

प्रौद्योगिकी की दुनिया में नैतिकता का प्रश्न कई बार जोर-शोर से उठता है और शोध की सरहदें भी तय होती हैं। यह इंसान और विज्ञान, दोनों के लिए समान रूप से जरूरी है। फेसियल रिकॉग्अर्थात चेहरा पहचानने की विधियों पर दुनिया में खूब शोध हो रहे हैं। चेहरा पहचानने की विधि बायोमेट्रिक्स का अहम हिस्सा बन चुकी है और इसमें आगे शोध का सिलसिला जारी है। चिंता की बात यह है कि इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल गलत कामों के लिए भी खूब हो रहा है। नेचर में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन में उइगर मुस्लिमों की पहचान के लिए इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। इससे कोरियाई, तिब्बती और उइगर चेहरों को अलग-अलग पहचानने की विधि पर शोध हो रहा है। शिनजियांग के उत्तर पश्चिमी प्रांत के शिविरों में उइगरों की भारी निगरानी और बड़े पैमाने पर नजरबंदी के लिए चीन की पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा होती रही है। चीन इन शिविरों को पुनर्शिक्षा केंद्र कहता है और इनके जरिए वह वहां चल रहे उग्र आंदोलन को खत्म करना चाहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीनी अधिकारियों ने उइगर चेहरों से जुड़े सॉफ्टवेयर बनाए हैं, जिन्हें निगरानी कैमरों में लगाया गया है। इस प्रौद्योगिकी को और विकसित करने की दिशा में काम कर रहे वैज्ञानिकों को अपनी मेहनत के दुरुपयोग पर आपत्ति है। ज्यादातर वैज्ञानिक नहीं चाहते कि इस प्रौद्योगिकी का उपयोग नस्लीय भेद या किसी भी प्रकार के प्रत्यक्ष या परोक्ष शोषण में हो। कुछ वैज्ञानिकों को इस तकनीक के अबाध उपयोग पर भी आपत्ति है और वे नहीं चाहते कि वैज्ञानिक पत्रिकाओं में इस प्रौद्योगिकी पर केंद्रित ऐसे शोध प्रकाशित हों, जिनका दुनिया में कहीं भी दुरुपयोग हो सके। बायोमेट्रिक्स का इस्तेमाल कानून-व्यवस्था के लिहाज से किसी प्रकार के अपराध या अपराधियों को रोकने के लिए तो सही है, पर कहीं ऐसा न हो कि अपराधियों की पहचान करते-करते आम लोग भी परेशानी के दायरे में आ जाएं। सवाल यह भी है कि शोध के लिए ही सही, यदि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के चेहरों का इस्तेमाल किया जा रहा है, तो क्या उन चेहरों के मालिकों से मंजूरी ली गई है? क्या दुनिया के किसी कोने से किसी का भी फोटो लेकर शोध में इस्तेमाल किया जा सकता है? रक्षा या सुरक्षा एजेंसियां बड़े पैमाने पर चेहरों का इस्तेमाल कर रही हैं, क्या कोई व्यक्ति अपराधियों के बीच अपना चेहरा देखना पसंद करेगा? ये प्रश्न चिंता पैदा करते हैं और शोधकर्ताओं से नैतिकता की उम्मीद भी। हालांकि, यह प्रश्न पूरे विज्ञान को लेकर भी पूछा जाता है। हर प्रौद्योगिकी का दोहरा इस्तेमाल संभव है। कुछ लोग उसका सकारात्मक उपयोग करते हैं, तो कुछ नकारात्मक। वैज्ञानिक तो यही चाहेंगे कि उनकी मेहनत का इस्तेमाल किसी भी नकारात्मक कार्य में न हो। पिछले वर्षों में जागरूकता बढ़ी है और अनेक वेबसाइट या सोशल मंच मर्यादा की पालना कर रहे हैं। कायदा यही बोलता है, बिना पूछे किसी के फोटो का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। फोटो बेचने या दिखाने वाली अनेक वेबसाइटें भी पहले से ज्यादा सतर्क हुई हैं। सच्चा विज्ञान वही है, जो इंसान की सेवा करते हुए उसकी स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा करे। प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने वाले लोगों, एजेंसियों और सरकारों को हमेशा ध्यान रखना होगा कि इंसानियत सर्वोपरि है।

(अजन्मी अंतिमा की पीड़)

मत उम्मीद रखो मुझसे की मेरी ज़िंदगी का अनुवाद तुम्हारी भावनाओं से जुड़ा हो मैं जन्मी हूँ एक छोटी सी अदम्य आक्रोशित कहानी के लिए और तुम मुझे कभी नहीं समझ सकते, तुम्हें मुझे पढ़ने के लिए उस क्षितिज तक जाना होगा जहाँ से मेरी लिखी हर संज्ञा को महसूस कर सको। मेरे दर्द की कथोपकथन की सघनता को थामना किसीके बस में नहीं। दर्द की आज्ञा का पालन करते मैंने शब्दों को थोड़ा सहलाया है, रेशमी एहसास के पन्नों पर मोतीयों की तरह पिरो कर लहू की स्याही से लिखी है एक दास्ताँ। मन तो करता है तलवार की धार से भी कंटीले शब्दों का इस्तेमाल करके उस माँ बाप की मानसिकता को नंगा कर दूँ। खैर ये कहानी कहीं प्रकाशित नहीं होंगी अनकही, अनसुनी ही रहेगी कहाँ वो शिद्दत वाली समझ किसी में, इस छोटी सी अजन्मी लड़की की मानसिकता को महसूस करें। अनंत जन्मों से अलमारी में दीमक की खुराक होते पड़ी है मेरी कहानी किसी में हिम्मत नहीं पीले पड़ गए पन्नों से स्पंदन उकेरने की। जिसने भी छुआ इस कहानी की आग को ऊँगलियों के पोरे जल गए। अजन्मी अंतिमा के छोटे-छोटे टुकड़ों की कहानी से ज्वालामुखी का धधकता स्त्रोत बहता है। तुम भी दूर रहो आरंभ से अंत तक ये कहानी एक लड़की के मन के अगम्य, अगोचर विश्व की तिलिस्मी और सिसकती व्याख्याओं की भरमार है। शाब्दिक युद्ध की श्रृंखला है समाज के विरुद्ध अभियान छेड़ रखा है। कोख के कोने में जब रोपी गई थी मैं तभी से विवाद से घिरी हूँ। मेरे नन्हे कानों में वो कोलाहल गूँजता है मेरे जन्म पर इतना आतंक क्यूँ? मेरा लड़की होने के पीछे मेरा क्या गुनाह बीज हूँ जो बोओगे वही उगेगा फिर मेरे हर एक अंग का कत्ल क्यूँ? मन करता है हर माँ की कोख को श्राप दूँ कभी किसी बेटी का बीज ना पनपे रहने दो समाज को बांझ। निभा पाओगे क्या बेटीयों के बगैर ? कूल का वंश आगे कैसे बढ़ाओगे, दुःखवाद से लदी चिल्ला-चिल्ला कर मेरी कहानी के हर पन्ने से आर्तनाद उठता है। कोई मेरे दर्द की क्षितिज तक नहीं पहुँच पाता नहीं छू पाता मेरी विडंबना को, तुम भी मत छुओ। अब तो पन्नों से सिलन की घुटन की बू आती होगी छलनी ज़ख्मों की वेदना को मत कुरेदो पड़ी रहने दो शांत इस कहानी को। है हिम्मत खोखले समाज की मानसिकता को बदलनेकी ? मेरे जन्म को महफ़िल में बदलनेकी, आखरी पन्नों पर चरम बिखरी है दर्द की। कोख में ही टुकड़ों में बिखरी हूँ जब हाथ पर आरि चली तब आह निकली, जब पैर कटे तब उफ्फ़, और जब हृदय पर वार हुआ तब नफ़रत की आँधी उठी। देखो वो रौंदी गई नन्ही कली के आँसू मिश्रित रक्त रंजित नदी मेरी खूनी माँ के गुमांग से बह रही है। तिरस्कृत सी मेरे अनवरत घातों की पीड़ा वो कूड़े के ढ़ेर में मेरी बोटी पड़ी है सुवर और कुत्तों की दावत में सजी।कौन लेगा मेरे खून का प्रतिशोध इस कहानी को बदल पाओ सन्मानित सी समाज को अर्पण करते? तब मेरे करीब आना।

(भावना ठाकर, बेंगलोर)सभावु।

बुरी बात है

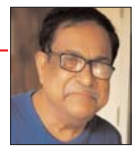

कर्ज लेकर चुकाना बुरी बात है,
वादा करके निभाना बुरी बात है।
अपना उल्लू सदा साधते ही रहो ,
मगर उल्लू बन जाना बुरी बात है।
खुशियाँ अगर मिले तो उसे लूट लो ,
दुखड़े अपने जताना बुरी बात है।
ये नाते ये रिश्ते हैं बस नाम के ,
इनके नजदीक जाना बुरी बात है।
अगर हौसला है तो सूरज बन दिखा ,
तारों संग जगमगाना बुरी बात है।

महेंद्र कुमार वर्मा
प्रमाणित किया जाता है कि रचना बुरी बात है मौलिक तथा **अप्रकाशित है।**
महेंद्र कुमार वर्मा,पुणे

ढलती शाम

ना जाने इस ढलती शाम में कौन सी व्यथा है डूब रहे सायों में मैं अपनापन खोज रहा हूं इन ढलती शामों को अपने दूंख के संग-संग मैनें देखा है । मापा जीवन भर इन ढलती शामों की गहराई को , होते ही शाम करता हूं याद तेरी जुदाई को ।समेटता रहता हूं उन पर बिखरे चित्रों को, परछाइयों में डूबा खोजता हूं अपने सपनों को । ना जाने कितनी गुज़री शामें कितनी आतुर हैं आने को, स्मृतियां भी हो जाती व्याकुल मेरा संबल जाने को । तड़पाती है रिमझिम बरसातें व्याकुल करती है ये शर्द- रातें, विकल करता है शाम का सुनापन, मेरे चैन के पल भी शाम के संग ढल जाते हैं । हाए ये कब तिमिर हो, कब रैन आए , शाम का सुनापन मुझको बड़ा तड़पाए, ये बहुत सताएं, ये जान ले जाए...

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

नमन मंच

विषय-परोपकार में प्रचार
विधा-कविता
परोपकार की परिभाषा का ,
आओ अर्थ तुम्हें बतलाएँ ।
नेकी कर दरिया में डाल,
ये कहावत तुम्हें सिखलाएँ ।।
सेवा भाव से करो कर्म तुम,
सीख यही अपनाएँ ।
दान करो बंधुजन ऐसा,
एक हाथ से दूजे को पता नही चल पाए।।
हित करो जो औरों का ,
तो प्रचार मत करवाओ ।
प्रकृति करती परोपकार बिन स्वार्थ,
यही शिक्षा तुम अपनाओ ।
महर्षि दधीचि ने प्राण तज दीनी अस्ति,
देवों की रक्षा कर पूज्यनीय कहलाऐ।
परोपकार का जो धर्म निभाता,
देवगणों की श्रेणी वो पा जाए।।

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश)

प्रकृति मनोहारी है

बड़ी प्यारी है ,कुदरत की कारीगरी,
धरती पर बिछा रखी है ,चादर हरी हरी !
आकाश में, सजाए हैं ,दमकते सितारे,
रात की ,कालिमा में, लगते बड़े प्यारे!
एक खूबसूरत, चाँद को ,आकाश पर,
रात के, सफर में, जैसे प्रहरी बनाकर?
हैं खूबसूरत, पहाड़ियां ,पादपों से भरी!
बड़ी प्यारी है, कुदरत की कारीगरी!
कलकल करतीं, अलबेली, प्यारी नदियाँ,
धीर, गंभीर, प्राण दायिनी, बहुत गहरी!
दुनिया में, उजाला, बिखेरता है सूरज,
यह भी तो है ,कुदरत की जादूगरी?

पद्ममुख पंडा
ग्राम महा पल्ली डाकघर लोइंग

वह खिड़की

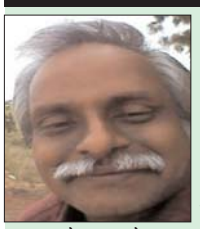

सुबह और शाम और रात
मैं अपने घर की खिड़की से ...
मैं देख रहा हूं कि सूरज, चांद और तारे आ रहे हैं ....
आसमान फटा और लटका हुआ है
मेरी खिड़की के माध्यम से
पक्षियों की आवाज़ की कोई भूख नहीं है ...।
वह गौरैया और कौआ बस मेरे पास आ रही है
और निकल रही है।
तथापि ....
अगर मैं खिड़की बंद कर देता ...
क्यों कुछ नहीं आ रहा है
प्रकृति के हाथों मेंज।
यही इसका मतलब है
कि हम जीते हैं
मेरी समझ मे आ रहा है
जो चीज मेरे जीवन को बेदम बनाती है,
वह है इसका असर
अगर यह ....
कोई अतिशयोक्ति नहीं है
वह भी झूठ नहीं है

ओट्टीरी सेल्वा कुमार

नाज़ुक से एहसास है मेरे

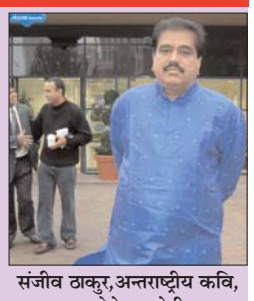

नाज़ुक से एहसास है मेरे,
ऐसे कुछ पल खास है मेरेद्य
नजरों की खुशबू,नम एहसास,
जैसे तू हो कहीं आसपास मेरे।
पुरनम सांसें जब आई मुझ तक,
नम ओंठों की नमी लाई पास मेरे।
जान कर भी जान न पाया तुझको,
अधरों की खामोशी ना आई रास मेरे।
जुल्फों में छुपकर सूरज शर्मा गया,
तेरी नजरों के जुगनू जो हैं, खास मेरे।
क्या बेरुखी ही होगी वारिश हमारी,
इसे झुठलाने सही,आओ पास मेरे।

संजीव ठाकुर,अन्तराष्ट्रीय कवि,
चोबे कालोनी, रायपुर

आप कहने की आदत क्यों बदल रहा है-गौतम

उच्च पदों पर आसीन लोगों में अपने सहयोगियों और अन्य कनिष्ठ कर्मचारियों को आप कह कर संबोधन करने की प्रवृत्ति तेजी से विलुप्त हो रहा है। सबसे दुखद बात शिक्षा जुड़े शैक्षणिक संस्थानों में भी यह गलत परंपरा जगह बनाना शुरू कर दिया है.... जिन लोगों पर दूसरों में नैतिकता और संस्कार पैदा करने की जिम्मेवारी है वे भी किसी के सम्मान में कटौती करके अपने आप को सम्मानित महसूस करने लगे हैं... इसके पीछे मुख्य कारण जो मुझे लगता है अब शैक्षणिक और प्रशिक्षण संस्थाओं में इन बातों पर ध्यान नहीं दिया जाना हो सकता है या उच्च पदों पर आसीन लोगों के मन में अपने आपको सुपर पावर समझने की प्रवृत्ति या झूठी शान है।इस जहां में सभी के ऊपर कोई न कोई है फिर अपने आप को दूसरों के सामने गलत तरीके से पेश करने से भला लाभ तो किसी को भी होगा नहीं,फिर भी लोग दूसरे को सम्मान देने से हिचकते क्यों है ? हमारे भारतीय सभ्यता और संस्कृति हमेशा से हमें दूसरों को सम्मान देना सिखलाता है।लेकिन वर्तमान समय में यह प्रवृत्ति बिल्कुल विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गया है खास करके उच्च पदों पर आसीन लोगों में। यह बीमारी अब कार्यालयों से घर तक पहुंचने लगा है जहां छोटे बड़े के संबोधन में कोई फर्क नहीं रह गया।धड़ल्ले से तुम शब्द का प्रयोग किया जाने लगा है।÷आप÷ कहीं किसी कोने में दुबक कर सिसकने लगा है। पिछले दिनों मेरे एक मित्र ने बताया कि आजकल कार्यालयों में काम करना बहुत मुश्किल हो गया है उसका उसने एक उदाहरण दिया वह जहां आजकल वह कार्य करता है वहां पिछले 38 वर्षों से लगातार काम कर रहे हैं ज्ञानदेवसिंह को उनके उच्च पद पर आसीन व्यक्ति जो बमुश्किल से 30 वर्ष के हैं आप की जगह दूसरे अनादर व्यक्त करने वाले शब्दों का प्रयोग कर संबोधित करते हैं। मेरे मित्र ने बताया इस बात से ज्ञानदेव सिंह हमेशा दुखी रहते हैं।वे बताते हैं आज के उच्च पदों पर आसीन लोगों में आदर सम्मान के साथ साथ नैतिकता की घोर कमी है।इसके कारण अपने उच्च पदाधिकारियों से वह आत्मीय संबंध नहीं जुड़ पाता जो कभी जुड़ा हुआ वह महसूस करते थे ।ऐसा नहीं है कि सिर्फ इसका खामियाजा कनिष्ठ कर्मियों को ही भुगतना पड़ता है बल्कि उसका खामियाजा वरिष्ठ कर्मियों और पदाधिकारियों को अपने सहयोगी यों से 100त्र काम लेने में भुगतना भी पड़ता है।फिर भी वे लोग अपनी आदत से बाज नहीं आते।इस बारे में मेरा मानना है किसी को इज्जत और सम्मान देने से किसी व्यक्ति या संस्था का सम्मान कम नहीं होता बल्कि इसके उलट बढ़ जाता है। वैसे उच्च पदों पर कुछ लोग आज भी हैं जो दूसरे लोगों को सम्मान देना जानते हैं और उनसे सम्मान लेना भी जानते हैं और इसका लाभ भी उन्हें अपने सहयोगी से भरपूर मिलता रहता है....

गौतम द गेम चेंजर
सामाजिक और राजनीतिक चिंतक
दाऊदनगर औरंगाबाद बिहार

है प्रीत सदा अमृत

है प्रीत सदा अमृत
तू विष ना घोल प्यारे
है जीवन शेष तो
कुछ पास नहीं तुम्हारे ।
कमाया जीवन भर
कुछ हाथ न लगा प्यारे
तड़प रहा है क्यों तू
मार्ग बंद हुए सारे ।
प्यार जता कर तूने
छल कपट ही किया रे
प्रीत की डगर पर
नफ़रत भूल जा प्यारे ।
प्रीत की औषधि से
दूर होंगे कष्ट सारे
है प्रीत सदा अमृत
तू विष ना घोल प्यारे ।

ज्ञानंद चौबे
रेणुकूट, सोनभद्र
उत्तर प्रदेश

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 दिसम्बर को

भिण्ड। जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय भिण्ड श्री गजेन्द्र सिंह द्वारा 12 दिसम्बर, 2020 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में बैठक आयोजित कर जिला न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण को लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक प्रकरण निराकृत किये जाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही मामलों में लोक अदालत के माध्यम से सुलह समझौते के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गये तथा इसके अतिरिक्त तहसील लहार, गोहद एवं मेहगांव के न्यायाधीशगण से वीड़ियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण किये जाने के संबंध में उन्हें निर्देशित किया गया। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार 12 दिसम्बर 2020 को सम्पूर्ण देश नेशनल लोक अदालत का आयोजन ऑफलाईन/ऑनलाईन के माध्यम से किया जा रहा है। जिसमें पक्षकार चैक वाउन्स, मोटर-दुर्घटना दावा अधिनियम, श्रम कानून, विद्युत, वैवाहिक आदि विवादों का निराकरण राजीनामा के आधार पर किया जा सकेगा।

पुस्तक रिया/प्रियांजलि प्राणों से प्यारी का विमोचन

निक्की शर्मा रश्मि, मुम्बई

साहित्य संगम संस्थान नई दिल्ली द्वारा आयोजित साहित्य संगम संस्थान छत्तीसगढ़ इकाई का उद्घाटन समारोह रविवार बहुत ही भव्य तरीके से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम मुख्य अतिथि भरत नायक बाबू , विशिष्ट अतिथि मंजू सरावगी , कार्यक्रम अध्यक्ष आनंद कुमार त्रिवेदी के शुभाशीष तले सुसम्पन्न हुआ। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवीर सिंह मंत्र , सह अध्यक्ष कुमार रोहित रोज़ , महागुरुदेव डॉ राकेश सक्सेना व राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी मिथलेश सिंह मिलिंद तथा नई सोच समिति साहित्य क्रांति ने इस कार्यक्रम के आयोजन का कार्यभार सुव्यवस्थित रूप से कीया।कार्यक्रम में भव्य काव्योत्सव का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से शुरू हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत ही साहित्य संगम संस्थान नई दिल्ली के सह अध्यक्ष कुमार रोहित रोज़ की बेटी पर आधारित पुस्तक रिया/प्रियांजलि प्राणों से प्यारी÷ का विमोचन हुआ। सभी साहित्यकारों को काव्य रत्न सम्मान द्वारा सम्मानित किया गया और साथ ही कार्यक्रम में विशिष्ट योगदान करने वाली नई सोच समिति /साहित्य क्रांति के सदस्यों को काव्य सारथी से सम्मानित किया गया। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय राजवीर सिंह मंत्र जी ने नव गठित छत्तीसगढ़ इकाई के सुंदर भविष्य की मंगल कामना की और सभी साहित्यानुरागियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाओं संग संस्थान के इस नव कीर्तिमान पर अपने शुभ मनोभावों को भी व्यक्त किया।

दोष क्या है शमा का बता दीजिए

रूप की आग में लोग जलते रहे
शमां का दोष क्या है बता दीजिए
बन भ्रमर फूल पर वो मचलते रहे
फूल का दोष क्या है बता दीजिए!!
प्यार को तौलते जीत और हार से
प्यार पा न सका कोई व्यापार से
रेत पर तुम घरौंदा बनाओगे तो
दोष क्या है लहर बता दीजिए!!
शाख से तुम अलग खुदबखुद हो लिए
अपनी ही शर्त पर ताउमर तुम जिए
तूफां आया तो तोहमत लगाने लगे
दोष क्या है सजर का बता दीजिए!!
तुमने सावन में शोलों की सौगात दी
बात करते हो क्यों चांदनी रात की
दिल समुंदर के जैसा तुम कर न सके
दोष क्या है घटा का बता दीजिए!!

रश्मि मिश्रा रश्मि
भोपाल (म.प्र.)

जहरीली शराब से मौत और व्यवस्था को चुनौती

सियाराम पांडेय 'शांत'

लखनऊ, फिरोजाबाद, हापुड़, मथुरा, आगरा, बागपत और मेरठ में जहरीली शराब के तांडव के बाद प्रयागराज जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र के चार गांवों के छह लोग जहरीली शराब के सेवन से असमय काल कवलित हो गए। इस घटना के बाद हरकत में आए प्रशासन ने एक ही संचालक के तीन शराब ठेकों को सील कर दिया और एक शराब विक्रेता को हिरासत में ले लिया।

फूलपुर थाना क्षेत्र में नवंबर माह की शुरूआत में ही एक व्यक्ति की मौत जहरीली शराब पीने की वजह से हुई थी। अगर प्रयागराग जिला और पुलिस प्रशासन उसी वक्त गंभीर हुआ होता तो एक साथ छह लोगों की मौत का मातम न मनाना पड़ता। जहरीली शराब से मौत का यह सिलसिला पहला और अंतिम नहीं है। देश और प्रदेश में जहरीली शराब से लोगों के मरने और गंभीर रूप से अस्पतालों में भर्ती होने की खबरें अखबारों में छपती रहती है। टीवी चैनलों की सुर्खियां बनती रहती है।

सरकारें मृतकों के परिजनों को 2 लाख और गंभीर रूप से बीमार हुए शराब पीड़ितों को 50 हजार का मुआवजा देकर कर्तव्य की इतिश्री मान लेती है। वह दावा तो खूब करती है कि जहरीली शराब के कारोबारियों को बख्शा नहीं जाएगा। कुछ दिन उसकी सक्रियता दिखती भी है और फिर सबकुछ सामान्य हो जाता है। नशे के कारोबारी अपने लाभ के लिए मौत का खेल खेलते रहते हैं। प्रयागराज की घटना के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जिलों में शराब कारोबारियों पर शिकंजा कसा जाने लगा है। शराब दुकान के लाइसेंसियों को गिरफ्तार किया जाने लगा है। सवाल यह उठता है कि इससे पूर्व जिला और पुलिस प्रशासन क्या करता है जो उसे किसी बड़ी हृदयविदारक घटना के बाद ही जहरीली और मिलावटी शराब के कारोबारियों पर अंकुश लगाने की सुध आती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नकली शराब बेचने वालों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए हैं। उनके इस निर्णय का स्वागत किया जाना चाहिए लेकिन शराब से होने वाली जनहानि पर उनके आक्रोश का जायजा इस बात से भी लिया जाना चाहिए कि इसी मुद्दे पर उन्होंने लखनऊ के पुलिस कमिश्नर सुजीत पांडेय को आधी रात हटा दिया था। उनकी जगह रातों-रात ध्रुवकांत ठाकुर ने कार्यभार संभाला। उनके कार्यभार संभाले दो दिन भी नहीं बीते हैं कि प्रयागराज जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र में यह बड़ी घटना हो गई।

लखनऊ और फिरोजाबाद के आबकारी अधिकारियों को हटाने के साथ ही पिछले दिनों लखनऊ पुलिस कमिश्नर पर भी गाज गिरी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज की घटना के बाद सख्त तेवर अख्तियार कर लिए हैं। उन्होंने निर्देश दिया है कि जहरीली शराब बेचने वालों पर प्रशासन गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए। दोषी पाए जाने पर उनकी संपत्ति जब्त की जाए और बाद में उसे नीलाम कर पीड़ितों को मुआवजा दिया जाए। जुलाई, 2019 में यूपी कैबिनेट में आबकारी नीति 2019-20 में संशोधन का प्रस्ताव पास हुआ था जिसमें न केवल प्रदेश के शराब माफियाओं के खिलाफ कड़े कदम उठाने की इच्छा जाहिर की गई थी बल्कि आबकारी नीति में भी बड़े बदलाव किए गए थे। ओवररेटिंग की शिकायत मिलने पर जुमानें में साढ़े सात गुना बढ़ोतरी की गई थी। पहली शिकायत पर 75 हजार रुपये, दूसरी बार डेढ़ लाख रुपये और तीसरी शिकायत पर लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई करने का सख्त प्रावधान किया गया था। जहरीली शराब के मामलों को देखते हुए शराब में मिलावट पाए जाने पर पहली बार में ही रिटेल और हॉलसेल की दुकानों के लाइसेंस निरस्त करने का प्रावधान तो इसमें था ही, मिलावट के आरोपियों पर गैंगस्टर और एनएसए के तहत कार्रवाई करने का भी प्रावधान किया गया था।

जहरीली शराब से मौत होने पर मिलावटी शराब बनाने वाले माफियाओं पर आईपीसी की धारा 304 के तहत गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने का भी सख्त प्रावधान इस नए संशोधन में किया था लेकिन केवल कानून बनाने से ही किसी समस्या का समाधान नहीं हो जाता। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि कानून का क्रियान्वयन करने वालों की नीयत कैसी रही है। उन्होंने ईमानदारी से अपने दायित्व का निर्वहन किया भी या नहीं। अगर अधिकारियों ने वर्ष 2019 में हुए आबकारी नियम संशोधन कानून पर ही अमल किया होता तो बार-बार प्रदेश में शराब से जनहानि की नौबत न आती और मुख्यमंत्री को एक ही निर्देश अनेक बार न देने पड़ते। शराब के चलते लोग अनेक घातक बीमारियों के शिकार होते हैं। इनके इलाज पर सरकार को शराब बिक्री से होने वाली आय से कहीं अधिक खर्च करना पड़ता है।

डीडीएलजे का आइकॉनिक सीन नुसरत और राजकुमार राव ने किया रीक्रिएट

ऐक्ट्रेस नुसरत भरूचा और राजकुमार राव की फिल्म 'छलांग' रिलीज हुई है इस फिल?म को काफी तारीफ मिल रही है। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो नुसरत ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है जिसमें वह और राजकुमार राव सरसों के खेत में 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' फिल्म का शाहरुख और काजोल वाला मशहूर आइकॉनिक सीन कर रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए नुसरत ने लिखा कि 'बड़े बड़े देशों में ऐसे प्यारे प्यारे वीडियोज बनते रहते हैं। देखिए राजकुमार राव।' वहीं, वर्क फ्रंट पर 'प्यार का पंचनामा', 'सोनू के टीटू की स्वीटी', 'ड्रीम गर्ल' और 'छलांग' जैसी बेहतरीन फिल्में देने के बाद अब नुसरत फिल्म 'हुड़दंग' में काम कर रही हैं जिसमें वह सनी कौशल और विजय वर्मा के साथ दिखाई देंगी।

ब्लैक पीपीई किट में दिखीं श्रुति

ऐक्टिंग के अलावा अब म्यूजिक को दे रही हैं वक्त

कोरोना वायरस के फैलने के बाद अक्सर लोग पीपीई किट में दिखाई देते हैं। हाल में एक और ऐक्ट्रेस पीपीई किट में नजर आईं तो उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। यह एक बेहद टैलेंटेड ऐक्ट्रेस हैं जो ऐक्टिंग के अलावा म्यूजिक में भी महारत रखती हैं और एक बार फिर वह ऐक्टिंग के अलावा अपने पहले प्यार म्यूजिक को वक्त दे रही हैं।

यह ऐक्ट्रेस एक बेहद सुलझे हुए सुपरस्टार ऐक्टर की बेटी हैं। क्या अभी तक आप इन्हें पहचान सके? ब्लैक पीपीई किट में दिखीं यह ऐक्ट्रेस श्रुति हासन हैं। हाल में श्रुति हासन काम के सिलसिले में चेन्नई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में कई बार गईं तो सफर के दौरान उन्होंने पीपीई किट भी पहन ली। श्रुति ने अपनी इंस्टा स्टोरी में भी एक तस्वीर डाली है जिसमें वह

सफर के लिए तैयार हो रही हैं और यह तस्वीर वायरल हो गई। वैसे लोग इस तस्वीर को इसलिए भी देख रहे हैं कि अक्सर लोग वाइट पीपीई किट में ही दिखाई देते हैं, लेकिन श्रुति इसमें ब्लैक पीपीई किट पहने हुए हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो श्रुति ने साल 2010 में फिल्म 'लक' से फिल्मों में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने कई तमिल फिल्मों में काम किया। हिंदी फिल्मों की बात करें तो पिछली बार श्रुति अर्जुन रामपाल के साथ फिल्म 'डी-डे' में दिखाई दी थीं जिसमें उनके किरदार को काफी पसंद किया गया था। अब श्रुति ऐक्टिंग के बजाए म्यूजिक पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं।

बिना शर्ट के घोड़े पर बैठे नजर आए सलमान

सलमान खान हाल ही में बिना शर्ट के घोड़े पर बैठे नजर आए हैं। हालांकि, सलमान खान ने अपनी यह तस्वीर अपने ब्रैंड के प्रमोशन के लिए शेयर की है। सलमान ने अपने ब्रैंड के विंटर कलेक्शन की बात करते हुए अपनी शर्टलेस तस्वीर शेयर की है। सलमान के फार्महाउस वाली इस तस्वीर में उनकी फिट बॉडी को देख फैन्स फिदा नजर आ रहे हैं। फैन्स ने लिखा कि 54 की उम्र में ऐसी फिटनेस देखकर यकीन करना मुश्किल है। किसी ने माशाअल्लाह तो किसी ने लव यू सलमान लिखकर अपने चहते स्टार की इस तस्वीर पर अपना प्यार बरसाया है। इससे पहले सलमान खान ने दिवाली पर फैन्स को विश करते हुए एक तस्वीर शेयर की थी। बता दें कि सलमान खान ने हाल ही में अपनी अगली फिल्म 'राधे' की शूटिंग खत्म की है। इस फिल्म में सलमान खान के साथ दिशा पाटनी, रणदीप हुड्डा और जैकी श्रॉफ भी हैं।

इब्राहिम की तस्वीरों पर लट्टू हुई लड़कियां

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर की। उन्होंने दिवाली के मौके पर अपनी 2 तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं और इन तस्वीरों को देखकर लड़कियां इब्राहिम पर लट्टू हो गई हैं। ट्रडिशनल इंडियन ड्रेस में इब्राहिम ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि 'दिवाली तो खत्म हो गई, अब कैप्शन नहीं मिल रहा।' इन तस्वीरों को इब्राहिम की फीमेल फॉलोअर्स ने इतना पसंद किया कि कमेंट्स में वह शादी के प्रपोजल और बेहद रोमांटिक लाइनें लिखने लगीं। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही सैफ अली खान ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह चाहते हैं कि उनके सारे बच्चे बॉलिवुड में काम करें। उनकी कही इस बात के बाद माना जा रहा है कि इब्राहिम अली खान जल्दी बॉलिवुड में डेब्यू कर सकते हैं। फिर तो निश्चित ही इब्राहिम की फीमेल फैन्स उनके डेब्यू का बेसब्री से इंतजार कर रही होंगी।

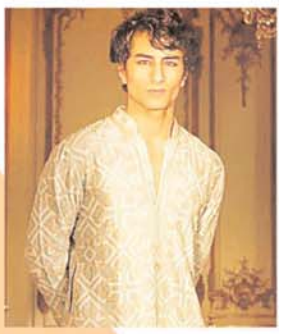

टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ ने डिलीवरी के बाद योग से घटाया 36 किलो वजन

टीवी सीरियल कहीं तो होगा से फेमस हुई आमना शरीफ अब मां बन चुकी हैं। साल 2015 में आमना ने बेटे को जन्म दिया और आपको जानकर हैरानी होगी कि प्रेगनेंसी में आमना का 36 किलो वजन बढ़ गया था जो कि वाकई में बहुत ज्यादा था। हालांकि, डिलीवरी के बाद बहुत ही कम समय में आमना ने अपने इस प्रेगनेंसी वेट को घटा लिया था। आमना ने अपने प्रेगनेंसी वेट को घटाने के लिए योग की मदद ली थी।

नियमित योग करने से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है जिससे आप स्वस्थ महसूस करती हैं। योग न सिर्फ आपको शारीरिक रूप से सिर्फ फिट रखता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिलता है, इससे आपका मूड भी बेहतर होता है। प्रेगनेंसी वेट को घटाने के बारे में आमना कहती हैं कि वो फिटनेस को लेकर बहुत कॉन्शियस रहती हैं और रोज योग का अभ्यास करती हैं। इससे उनके मन को शांति और सुकून मिलता है और शरीर भी अच्छा महसूस करता है। योग के अलावा वजन को घटाने और फिट रहने के अलावा आमना ने अच्छी डाइट की मदद भी ली। एक्ट्रेस अपनी पसंदीदा चीजों से दूरी नहीं बनाती थीं और ना ही डायटिंग की थीं। आमना अपने फेवरेट फूड में जो कैलोरी लेती थीं, उसे एक्सरसाइज की मदद से कम भी कर लेती थीं। आमना ने इस तरह अपनी डायट और एक्सरसाइज को बैलेंस किया था। आमना कहती हैं कि 'वो हेल्दी ईटिंग पर ही विश्वास करती हैं और उन्होंने कभी डाइट नहीं की।' उन्हें नया-नया खाना ट्राई करना बहुत पसंद है, लेकिन अपने मनपसंद खाना खाने पर वो जमकर एक्सरसाइज भी करती हैं। इसके लिए वो खूब कार्डियो एक्सरसाइज करती हैं।

राधिका आप्टे ने याद किया सौमित्रा चटर्जी को

दिवंगत अभिनेता सौमित्र चटर्जी के साथ काम करने के दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री राधिका आप्टे भावुक हुईं। आप्टे ने कहा कि सौमित्र एक सच्चे और काफी अच्छे व्यक्ति थे। वेटरन बंगाली अभिनेता का रविवार को 85 वर्ष की उम्र में देहांत हो गया था। राधिका ने कहा, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने एक लिजेंड को खो दिया। मुझे उनके साथ अहल्या में काम करने का मौका मिला था। वह एक सच्चे सज्जन और बहुत अच्छे व्यक्ति थे, अभिनेता के रूप में उनके काम को देखने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। गौरतलब है कि कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद सौमित्र चटर्जी को 6 अक्टूबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद वो कोरोना निगेटिव हो गए थे लेकिन बाद में उनका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा और कई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं आ गई थीं। चटर्जी ने सत्यजीत रॉय की चर्चित फिल्म 'अपुर संसार' से अपने करियर की शुरूआत की थी।

रोमांटिक वकेशन पर गए तारा और आदर

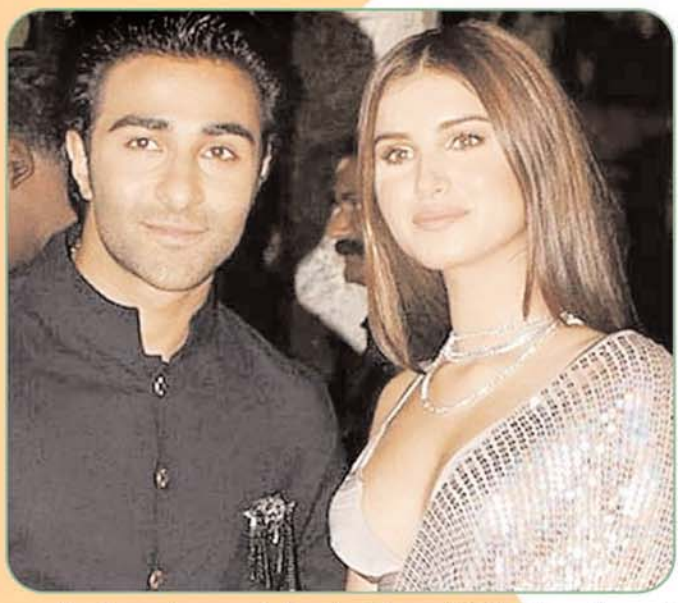

तारा सुतारिया और आदर जैन अक्सर अपने अफेयर की चर्चा के कारण सुर्खियों में रहते हैं। तारा और आदर को कई बार साथ में देखा गया है। तारा सुतारिया कपूर परिवार और जैन परिवार के साथ काफी क्लोज हैं और कई मौकों पर उनकी तस्वीरें सामने आई हैं। अब खबर आ रही है कि तारा और आदर साथ में एक रोमांटिक वकेशन पर मालदीव गए थे। हाल में तारा सुतारिया और आदर जैन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मालदीव की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसकी ओर सभी का ध्यान गया है। तारा और आदर ने लगभग एक जैसी मालदीव की तस्वीरें शेयर की हैं। इसी से अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों एक साथ हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो तारा ने 'स्टूडेंट ऑफ द इयर 2' से बॉलिवुड में धमाकेदार डेब्यू किया था। फिल्म में उनके साथ अनन्या पांडे और टाइगर श्रॉफ थे। इसके बाद तारा फिल्म 'मरजावां' में दिखाई दी थीं। जल्द ही उनकी आने वाली फिल्म 'तड़प' रिलीज होगी जिसमें उनके ऑपोजिट सुनील शेट्टी के बेटे अहान डेब्यू करने जा रहे हैं।

बालीबुड इंडस्ट्री में हम लोग टैलेंट को तारीफों से खत्म कर देते हैं

नवाजुद्दीन सिद्धीकी

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने टैलेंट के दम पर इंडस्ट्री में अलग जगह बनाई है। वहीं अभिनय के साथ-साथ बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में भी वो काफी अलग राय रखते हैं। हाल ही में उन्होंने हिंदी सिनेमा के बारे में बात करते हुए बताया कि बंग्ला फिल्मों के एक्टर सौमित्र चटर्जी जैसे दिग्गजों को देखकर उन्हें एहसास होता है कि अभी उन्हें बहुत कुछ करना है। नवाज ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने कई रीजनल फिल्में देखी हैं। इसके बाद उन्हें रीजनल टैलेंट के बारे में पता चला। उन्होंने बताया कि कॉमर्शियल सिनेमा से जुड़े मिथ के कारण बुरा असर पड़ रहा है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा- 'बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और असम जैसी जगहों में कितना टैलेंट है, उन्हें लगता है कि हिंदी सिनेमा में ही सूरज निकलता है और वहीं डूब जाता है। कॉमर्शियल सिनेमा में फैलाया जा रहा ये झूठ हिंदी सिनेमा के टैलेंट को खत्म कर रहा है। जब आप सौमित्र चटर्जी और कमल हासन जैसे एक्टर्स को देखते हैं तो उनका वेट हर किरदार में नजर आता है, वो जब कोई किरदार निभाते हैं तो खुद को भूल जाते हैं। मैं ये अपने किरदारों में हासिल करना चाहता हूं'। नवाज का कहना है कि 'यहां पर हमारी फिल्म इंडस्ट्री में, हम टैलेंट को ज्यादा तारीफें करके खत्म करते देते हैं। जितनी जल्दी माथे पर बिठाते हैं, उतनी जल्दी गिराते भी हैं'।

भारत में फरवरी तक मिल सकती है कोरोना वैक्सीन

एमआरपी से 50 प्रतिशत कम पर मिलेंगे टीके

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के संक्रमण ने फिर से अपने पैर फैलाना जरूर शुरू कर दिया है, लेकिन अच्छी बात यह है कि हम कोरोना वैक्सीन को लेकर काफी सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। कई वैक्सीन निर्माता कंपनियों का परीक्षण अंतिम चरण में है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो भारत में जनवरी अंत या फरवरी के शुरुआती सप्ताह में लोगों को वैक्सीन मिल सकती है। इतना ही नहीं, इसका फायदा समाज के हर तबके के लोगों को हो इसके लिए भी सरकार योजना बना रही है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में कहा था कि हम वैक्सीन के भंडारण से लेकर वितरण तक की योजना पर काम कर रहे हैं।

अगर फरवरी तक वैक्सीन आ जाती है तो सबसे पहले कोरोना वॉरियर्स का टीकाकरण किया जाएगा। इनमें डॉक्टर, नर्स और नगरपालिका कर्मचारी शामिल हैं। फरवरी तक वैक्सीन आने की संभावना इसलिए प्रबल हो गई है, क्योंकि अगर ब्रिटेन में वैक्सीन के इस्तेमाल को मंजूरी मिलती है तो भारत सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को भी जल्द ही ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के लिए आपातकालीन उपयोग की मंजूरी देने की योजना बना रहा है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को आपातकालीन उपयोग के लिए आवेदन करने की आवश्यकता होगी। इसकी संभावना है कि कंपनी दिसंबर में इसके लिए आवेदन कर देगी। आपको बता दें कि केंद्र सरकार वैक्सीन के खुराक की खरीद के लिए वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों के साथ एक अनुबंध को अंतिम रूप दे रही है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि सरकार ने इन कंपनियों से थोक में बेहतर कीमत पर वैक्सीन खरीदने की बात की है। दो-शॉट वाले टीके के लिए एमआरपी जो कि 500-600 रुपये के करीब हो सकती है, उससे आधी कीमत पर खरीदने की योजना सरकार बना रही है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अगर सब कुछ योजना के अनुसार हो जाता है तो हम उम्मीद कर रहे हैं कि जनवरी-फरवरी तक वैक्सीन भारत में आ जाएगी।

इराक में आईएस का हमला, 6 सुरक्षाकर्मियों सहित तीन नागरिकों की मौत

इराक। इराक में इस्लामिक स्टेट द्वारा दोबारा हमले की खबर सामने आई है। पुलिस और एक स्थानीय अधिकारी ने कहा कि इस्लामिक स्टेट ग्रुप द्वारा शनिवार को किए गए एक हमले में छह इराकी सुरक्षाकर्मियों और तीन नागरिकों की मौत हो गई। एक पुलिसिया सूत्र ने बताया कि सड़क के किनारे पड़े विस्फोटक से एक कार की टक्कर हो गई और इसके बाद राजधानी से लगभग 200 किलोमीटर (120 मील) की दूर स्थित घटनास्थल पर पहुंचे पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों की बचाव टीम जिहादियों ने गोलियां बरसा दीं। समाचार एजेंसी एएफपी को तिकरित शहर से 50 किलोमीटर दूर जोया के मेयर मोहम्मद जिदान ने बताया कि इस हमले में तीन नागरिकों सहित, हश्शेद अल-शाबी के चार सदस्यों और दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। हमले में हमलावरों के बीच से किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई खबर नहीं थी, लेकिन जिदान एजेंसी को बताया कि मारे गए लोगों के बीच, मुख्य रूप से शिया बल के जवान सुन्नी आदिवासी थे। लेकिन मेयर और पुलिस का कहना है कि हमला इस्लामिक स्टेट के जिहादियों का काम था, हालांकि उनकी तरफ से अभी ऐसे किसी भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली गई है। इससे पहले राजधानी के बाहरी इलाके में बगदाद हवाई अड्डे के पास अल-राडवानिया में एक लुकआउट पोस्ट पर आईएस के हमले में 8 नवंबर को ग्यारह लोग मारे गए थे। आईएस 2014 में इराक के एक तिहाई हिस्से में फैल गया था, यह उत्तर और पश्चिम के प्रमुख शहरों को कब्जे में करके राजधानी के उपनगरों तक पहुंच गया था।

नगरोटा एनकाउंटर: 200 मीटर लंबी सुरंग के सहारे

आतंकियों ने की थी भारत में घुसपैठ जीपीएस की मदद से किया सीमा पार

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को इस बात के पुख्ता सबूत मिले हैं कि 19 नवंबर के नगरोटा मुठभेड़ में मारे गए चार जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी वास्तव में 200 मीटर लंबी सुरंग के जरिए पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर में दाखिल हुए थे। बताया गया है कि आतंकवादियों ने पेशवेर रूप से 200 मीटर लंबी और 8-मीटर गहरी पेशेवर सुरंग तैयार की थी जिसके जरिए वो अंतरराष्ट्रीय सीमा से भारत की धरती में घुस आए थे।

सुरंग की जगह , भारतीय छोर पर 12-14 इंच के व्यास की थी, जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगभग 160 मीटर लंबा था और ऐसा अनुमान है कि पाकिस्तानी सीमा पर ये लगभग 40 मीटर लंबा था। बड़े सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार सुरंग को नए सिरे से खोदा गया था और पहली बार चार जैश आत्मघाती हमलावरों ने इसका इस्तेमाल किया गया था। आतंकवाद निरोधक अधिकारी ने कहा कि ऐसा लगता है कि सुरंग के निर्माण के लिए इंजीनियरिंग का उचित प्रयास किया गया है औरइसमें पेशवरी का हाथ काफी स्पष्ट है। आतंकवादियों के पास ताइवान निर्मित हाथ में पकड़ने

वाला एक जीपीएस डिवाइस था जिसकी मदद से वो भारत की सीमा में घुसे, भारतीयों एजेंसियों और बीएसएफ ने उस डिवाइस की मदद से आतंकवादियों को ट्रैक किया। आतंकवादी सुरंग पार करके सीमा के 12 किलोमीटर तक अंदर आ गए और एक ट्रक में सवार हुए। आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों द्वारा मारे जाने से पहले जीपीएस डिवाइस के डेटा को नष्ट करने की पूरी कोशिश की लेकिन डेटा बरामद कर लिया गया था। इस सुरंग का पता 48 बीएसएफ के दीपक राणा के नेतृत्व में काम कर रहे बीएसएफ के सात कर्मियों की एक टीम ने लगाया, जिन्होंने रविवार सुबह 5.40 से 7.50 बजे के बीच तलाश शुरू की। जीपीएस से एकत्र किए गए आंकड़ों से संकेत मिलता है कि आतंकवादी 189 सीमा स्तंभ के ठीक बगल में और बीएसएफ सीमा चौकी रीगल के करीब भारत में प्रवेश किया, जो स्तंभ 193 के पास स्थित है। जीपीएस पर मिला पहले रास्ते का बिंदु सीमा से लगभग एक किलोमीटर दूर है। इसके बाद आतंकी लगभग 12 किलोमीटर पैदल चलकर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 पर पहुंचे, जहां से एक आर्मी कैंप और रेलवे ट्रैक को हटाकर 19 नवंबर की आधी रात को ट्रक में सवार हो गए। सुरक्षा एजेंसियां हाइवे के बगल में जटवाल गांव के सभी मार्ग-बिंदुओं पर तैनात थी, ट्रक में सवार आंतकियों ने फिर नगरोटा का रुख किया जहां जैश-ए-मोहम्मद के चारों आतंकियों को गोली मार दी गई। आतंकियों को जिंदा पकड़ने की कोशिश की गई लेकिन सभी आतंकी कमांडो ट्रेन्ड थे. खुफिया एजेंसियां अब आतंकियों से बरामद मोबाइलों को खंगालने की कोशिश कर रही हैं और सुरक्षा एजेंसियों के पास अब पाकिस्तान और जैश के हमलावरों को पकड़ने के सबूत हैं। भारत पाकिस्तानी रेंजरों के साथ भी जोरदार विरोध प्रदर्शन करेगा, जिन्होंने उनकी निगरानी में घुसपैठ की अनुमति दी थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहा, भारतीय कोरोना वैक्सीन की आखिरी ट्रायल दो महीनों में हो सकती है खत्म

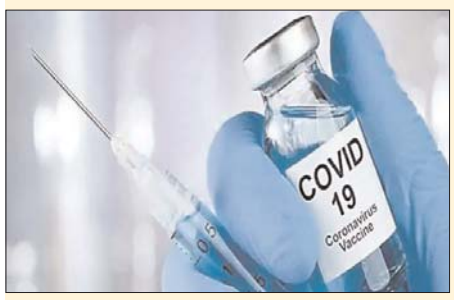

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने रविवार को कहा कि स्थानीय स्तर पर विकसित की जा रही कोविड - 19 वैक्सीन एक या दो महीने में अपना अंतिम परीक्षण पूरा कर सकती हैं, जिससे दुनिया के दूसरे सबसे ज्यादा संक्रमण वाले देश यानी भारत में वैक्सीन के तेजी से रोल-आउट होने की उम्मीद बढ़ जाती है। राज्य में संचालित भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और निजी तौर पर आयोजित भारत बायोटेक ने इस महीने में तीसरे चरण के परीक्षण की शुरुआत की, जिसमें 26,000 वॉलिंटियर्स शामिल होंगे। यह सबसे उन्नत भारतीय प्रायोगिक टीका है। हर्षवर्धन ने महामारी पर एक वेब सम्मेलन में बताया, हम अपने स्वदेशी टीके विकसित करने की प्रक्रिया में हैं, अगले एक या दो महीनों में हमारे तीसरे चरण के परीक्षण की प्रक्रिया पूरी हो सकती है। उन्होंने दोहराया कि सरकार की योजना जुलाई तक 200 मिलियन से 250 मिलियन भारतीयों का टीकाकरण करने की थी। आईसीएमआर के एक वैज्ञानिक ने इस महीने की शुरुआत में रॉयटर्स को बताया कि टीका फरवरी या मार्च में लॉन्च किया जा सकता है, हालांकि भारत बायोटेक ने शुक्रवार को रॉयटर्स को अलग से बताया कि देर से चरण के परीक्षणों के परिणाम केवल मार्च और अप्रैल के बीच आने की उम्मीद थी।

विस्कॉन्सिन मॉल गोलीबारी मामले में संदिग्ध गिरफ्तार, 8 लोग हुए थे घायल

नई दिल्ली। अमेरिका के विस्कॉन्सिन में एक मॉल में हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। वुवातोसा पुलिस विभाग ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। गत शुक्रवार को वुवातोसा के मेफेयर मॉल में एक संदिग्ध ने गोलीबारी की थी जिसमें आठ लोग घायल हुए थे। पुलिस विभाग ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शी ने शुरुआत में संदिग्ध की पहचान 20 से 39 वर्ष के बीच एक अंग्रेज व्यक्ति के रुप में की थी। पुलिस प्रमुख बैरी एम वेबेर ने बताया कि वुवाकोसा पुलिस विभाग ने मॉल गोलीबारी मामले में 15 वर्षीय किशोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के वक्त संदिग्ध के पास से उस हमले में इस्तेमाल की गई बंदूक भी बरामद हुई है। वेबेर ने हालांकि इस बारे में कोई सूचना नहीं दी कि हथियार किस प्रकार का था और संदिग्ध की गिरफ्तारी पर बहुत ज्यादा जानकारी नहीं दी। वाओवातोसा के मेयर डेनिस मेकब्राइड ने एक बयान में कहा कि वारदात के बाद संदिग्ध मॉल में ही था। चश्मदीदों ने डब्ल्यूआईएसएन-टीवी को दिए बयानों में बताया कि उन्होंने 12 गोलियों के चलने की आवाजें सुनी थीं। चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 5 लोगों को मॉल के भीतर से स्ट्रेचर पर अस्पताल ले जाया गया है। जब पुलिस हमलावर की तलाश कर रही थी कुछ लोग तब मॉल में ही थे। जिल वूली, जो कि वारदात के समय अपनी 79 वर्षीय मां के साथ मॉल में ही थीं बताती हैं, उन्होंने 12 गोलियां चलने की आवाज सुनी थी। ÷हमने पहली आवाज सुनी और हम समझ गए कि वह एक गोली का आवाज थी। उसके बाद हम जमीन पर बैठ गए।÷ वूली ने बताया, ÷उन्होंने किसी को देखा तो नहीं लेकिन गोलियों की आवाज बहुत पास से आ रही थी। वे लोग छुपने के लिए स्टोर के तहखाने की तरफ भागे थे।

कॉमेडियन भारती और हर्ष लिम्बाचिया की जमानत याचिका पर सुनवाई आज

एनसीबी ने घर से गांजा मिलने पर किया था गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई की एक अदालत कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिम्बाचिया की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगी। आपको बता दें कि कल दोनों को ड्रग से संबंधित मामलों में 4 दिसंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने भारती और हर्ष के अंधेरी हाउस से 86.5 ग्राम गांजा बरामद करने के बाद शनिवार को पहले भारती को गिरफ्तार किया था। उसके बाद उनके पति को भी पुलिस अपने साथ ले गई। आपको बता दें कि एक किलो तक का गांजा छोटी मात्रा में माना जाता है। इसके लिए छह महीने तक जेल और/या 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। एनसीबी ने कहा है कि भारती और हर्ष दोनों ने गांजे का सेवन करना स्वीकार किया है। रविवार को हर्ष को गिरफ्तार किए जाने के बाद, दोनों को उसी दिन मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अदालत के आदेश के तुरंत बाद दोनों ने अधिवक्ता अयाज़ खान के माध्यम से जमानत याचिका दायर की। जमानत याचिका में यह कहते हुए रिहा करने की मांग की गई कि उनके पास कोई आपराधिक मामला नहीं है और इसलिए उनके फरार होने का कोई सवाल ही नहीं है। सुनवाई के दौरान, एनसीबी ने पूछताछ के लिए लिम्बाचिया की हिरासत मांगी। वकील खान ने तर्क दिया कि हिरासत में पूछताछ का कोई सवाल नहीं है क्योंकि बरामद किए गए पदार्थ की मात्रा कम है जैसा कि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत निर्धारित है। मजिस्ट्रेट ने तर्कों को स्वीकार कर लिया और कहा कि हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं है और आरोपियों से शनिवार को काफी समय तक पूछताछ की जा चुकी है।

ट्रंप कैंपेन ने साफ किया, हमारी टीम का हिस्सा नहीं सिडनी पोवेल

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी कैंपेन ने कहा कि गुरुवार को मतदाता धोखाधड़ी के मुद्दे पर प्रेस वार्ता करने वाली वकील सिडनी पोवेल ट्रंप टीम का हिस्सा नहीं हैं। ट्रंप के एटॉर्नी रुडी गिउलियानी और वरिष्ठ कानूनी सलाहकार जेना एलिस ने संयुक्त बयान जारी कर कहा, सिडनी पोवेल अपने दम पर कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं और वह ट्रंप के कानूनी टीम का हिस्सा नहीं है। इसके अलावा वह राष्ट्रपति की भी वकील नहीं है। उल्लेखनीय है कि नवंबर के शुरुआत में अमेरिका में हुए आम चुनाव में मतदाता धोखाधड़ी के मुद्दे पर गिउलियानी सहित ट्रंप के अन्य वकीलों ने गुरुवार को प्रेस वार्ता की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति-चुनाव में जीत के बाद जो बिडेन अगले हफ्ते की शुरुआत में अपनी कैबिनेट के लिए शीर्ष नेताओं के नाम के लिए तैयार हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 3 नवंबर के चुनाव के परिणाम पर सवाल उठाते रहे हैं। ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उनके जांचकर्ताओं ने हजारों की संख्या में धोखाधड़ी वाले वोट पाए हैं, जो कम से कम चार राज्यों में वोट फ़्लिप करने के लिए पर्याप्त होंगे और उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अदालतें करके चुनाव की अखंडता बनाए रखेंगी । ट्रंप ने ट्वीट किया जो बिडेन इतनी जल्दी मंत्रिमंडल का गठन क्यों कर रहे हैं जब मेरे जांचकर्ताओं ने सैकड़ों धोखाधड़ी वाले वोट पाए हैं, ये कम से कम चार राज्यों को फ्लिप करने के लिए पर्याप्त है, जो चुनाव जीतने के लिए पर्याप्त से अधिक है? उम्मीद है कि न्यायालयों और/ या विधानसभाओं के पास ..... हमारे चुनाव और संयुक्त राज्य अमेरिका की अखंडता को बनाए रखने के लिए जो कुछ भी किए जाने दबाव होगा। दुनिया देख रही है ।

एफडीए ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दी गई एंटीबॉडी दवाई के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी

वाशिंगटन। अमेरिका के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोविड-19 से लड़ने में प्रतिरोधक प्रणाली को मदद करने वाली एक ऐसी एंटबॉडी दवाई के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है, जिसे पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद दिया गया था। इससे पहले एक और दवाई के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी गई थी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने रेजेनेरॉन फार्मास्यूटिकल्स इंक की दवाई के इस्तेमाल की मंजूरी इस कोशिश के तौर पर दे दी कि हल्के से मध्यम लक्षण वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने जैसी स्थिति या फिर उनकी हालत बिगड़ने से बचाया जा सके। एफडीए ने इस दवाई का इस्तेमाल व्यस्क एवं 12 साल के बच्चों या उससे ज्यादा उम्र के उन लोगों पर करने की अनुमति दे दी जिनका वजन कम से कम 40 किलोग्राम है और वे जो उम्र या अन्य चिकितस्कीय स्थितियों की वजह से गंभीर खतरे का सामना कर रहे हैं।

आपात स्थिति में इस दवाई के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है लेकिन अब भी इसकी सुरक्षा और इसकी प्रभावशीलता का पता लगाने के लिए अध्ययन चल रहा है। प्रांरभिक परिणामों से पता चला है कि यह दवाई कोविड-19 की वजह से अस्पताल में भर्ती होने या गंभीर खतरे वाले मरीजों के आपात कक्ष में भर्ती पर रोक लगा सकती है। रेजेनेरॉन ने कहा कि प्रारंभिक खुराक करीब 300000 मरीजों के लिए संघीय सरकार आवंटन कार्यक्रम के जरिए उपलब्ध होगी। मरीजों को इस दवाई का शुल्क नहीं देना होगा लेकिन उन्हें इस दवा देने के तरीके पर खर्च करना पड़ सकता है। इससे पहले एफडीए ने एली लिली की एंटीबॉडी दवाई को आपात मंजूरी दी थी और इस दवाई से जुड़ा अध्ययन भी अभी चल ही रहा है। इस बात का पता करने का भी कोई जरिया नहीं है कि ट्रंप के स्वस्थ होने में रेजेनेरॉन ने मदद की या नहीं । उन्हें कई तरह का इलाज दिया गया था और यह बात भी रेखांकित करने लायक है कि ज्यादातर कोविड-19 मरीज खुद ही ठीक हो जाते हैं। किसी भी सामान्य समय में एफडीए से मंजूरी पाने के लिए किसी भी दवाई के सुरक्षित और प्रभावी होने के पर्याप्त सबूत देने होते हैं लेकिन आपात स्थिति के दौरान यह एजेंसी अपने उन मानकों को थोड़ा कमतर कर सकती है और इसमें प्रायोगिक उपचार के संभावित लाभों को दिखाना पड़ता है, जो खतरे को कम करता हो।

हार मानने को तैयार नहीं डोनाल्ड ट्रंप!

पेंसिलवेनिया चुनावों के परिणाम को रद्द करने की अपील

वॉशिंगटन। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैंपेन टीम ने फिर से अपील का नोटिस डाला है। ट्रंप के कैंपेन ने पेंसिलवेनिया में मेल-इन वोटों का सर्टीफिकेशन ब्लॉक करने की कोशिश की थी। उनकी इस कोशिश को फेडरल जज ने रद्द कर दिया था। दि हिल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के कैंपेन में लगे प्रतिनिधि जिसमें रूडी ग्यूलियानी भी शामिल हैं, ने यूएस कोर्ट ऑफ अपील में तीसरे सर्किट के लिए अर्जी डाली थी। गौरतलब है कि ट्रंप की पहले डाली गई अपील को जज मैथ्यु ब्रैन ने रद्द कर दिया था। जिला कोर्ट के जज द्वारा ट्रंप के कैंपेन की फाइल की गई अर्जी को रद्द कर देना, कैंपेन के लिए ही बड़ा झटका है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक जज ब्रैन ने ट्रंप के कैंपेन को बिना किसी पुख्ता सबूत के इतने वोटों को रद्द करने की अपील करने के लिए फटकार भी लगाई है। उन्होंने कहा, ÷कोई भी व्यक्ति ये उम्मीद कर सकता है कि जब इस तरह के चौंकाने वाले परिणाम की मांग की जाती है, तो अभियोगी औपचारिक रूप से सम्मोहक कानूनी तर्कों और

भ्रष्टाचार के तथ्यात्मक प्रमाण के साथ आएगा। यह जानने के बावजूद कि इसका असर एक बहुत बड़े जनसमूह पर पड़ेगा। लेकिन यहां ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। बल्कि इस कोर्ट में विकृत कानूनी दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं जिनकी कोई वैधता नहीं है। यह सभी निराधार हैं। एक अन्य ट्वीट में लिखा हम अपील करेंगे। वहीं इस अपील के रद्द किए जाने पर सिनेटर ट्रूमी ने कहा कि राष्ट्रपति ने पेंसिलवेनिया के परिणाम को रद्द कराने की सारी मुमकिन कोशिशें कर ली हैं। उन्होंने जो बाइडेन को राष्ट्रपति और कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति बनने की शुभकामनाएं दीं। इन्होंने इन दोनों को जनता को समर्पित कर्मचारी कहते हुए बधाई दी है। गौरतलब है कि जो बाइडेन को राष्ट्रपति चुनावों का विजेता घोषित किया गया है। ट्रंप ने उनकी इस जीत को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया है और आरोप लगाया है कि चुनावों में भ्रष्टाचार हुआ है। इसके लिए ट्रंप के कैंपेन ने बहुत से राज्यों के न्यायालयों में अपील भी दर्ज की है। इस मामले में जो बाइडेन ने कहा था कि ट्रंप अतुल्य गैरजिम्मेदाराना रवैया दिखा रहे हैं। वह बदलाव की प्रक्रिया को बाधित कर रहे हैं।

नहीं थम रहा कोरोना का तांडव, विश्व में संक्रमितों की संख्या 5.85 करोड़ के पार

नई दिल्ली। विश्व में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या लगातार तेजी से बढ़ते हुए 5.85 करोड़ के पार हो गई है और इस महामारी से अब तक 13.86 लाख से अधिक लोगों की मौत भी हो चुकी है। कोरोना संक्रमितों की संख्या के मामले में अमेरिका पहले, भारत दूसरे और ब्राजील तीसरे स्थान पर स्थान पर है। वहीं इस संक्रमण से तेजी से मुक्त होने वाले लोगों की संख्या के मामलों में भारत, ब्राजील और अमेरिका क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्व के 191 देशों में कोरोना वायरस से अब तक 5,85,63,451 लोग संक्रमित हुए हैं और 13,86,465 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित अमेरिका में अब तक 1,22,26,643 लोग संक्रमित हुए हैं और 2,56,745 मरीजों की मौत हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 44,059 नए मामले सामने आए और संक्रमितों की संख्या 91.39 लाख के पार पहुंच गयी तथा स्वस्थ होने वालों की संख्या 85.62 लाख से अधिक हो गयी है। इस दौरान 511 और मरीजों की मौत के साथ मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,33,738 हो गया। देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या में 2524 की वृद्धि के बाद अब सक्रिय मामले 4,43,486 हो गए है। ब्राजील कोरोना संक्रमितों के मामले में तीसरे स्थान पर और इससे मुक्ति पाने और मृतकों के आंकड़े में दूसरे स्थान पर है। देश में कोरोना वायरस की

चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 60.71 लाख से पार हो गयी है जबकि 1,69,183 लोगों की मौत हो चुकी हैं। फ्रांस में 21.91 लाख से अधिक लोग इससे प्रभावित हैं और 48,807 मरीजों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 20.71 लाख को पार कर गई है और अब तक 35,838 लोगों की मौत हो गई है। स्पेन में इस महामारी से अब तक 15.56 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 42,619 लोगों की मौत हुई है। ब्रिटेन में अभी तक करीब 15.15 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 55,120 लोगों की मौत हो चुकी है। यूरोपीय देश इटली में 14.08 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 49,823 लोगों की मौत हुई है। अर्जेंटीना में कोविड-19 से अब तक 13.70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं तथा 37,002 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया में इस जानलेवा वायरस से अब तक 12.48 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं तथा 35,287 लोगों ने जान गंवाई है। मेक्सिको में कोरोना से अब तक 10.25 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 100,823 लोगों की मौत हो चुकी है। पेरू में इस वायरस से अब तक 9.48 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 35,549 लोगों की मौत हो चुकी है। जर्मनी में इस वायरस की चपेट में 9.32 लाख से अधिक लोग आ चुके हैं तथा 14,091 लोगों की मौत हुई है। पोलैंड में संक्रमण के 8.61 लाख से ज्यादा मामले सामने आए हैं तथा 13,618 लोगों की मौत हो गई है। ईरान में इस महामारी से अब तक 8.54 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 44,802 लोगों की मौत हो गई है। दक्षिण अफ्रीका में 7.67 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं तथा 20,903 लोग काल के गाल में समा गए हैं। यूक्रेन में संक्रमितों की संख्या 6.42 से अधिक हो गई है तथा 11,292 लोगों की मौत हो चुकी है। बेल्जियम में कोरोना से 5.56 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 15,522 लोगों की मौत हो चुकी है। चिली में कोरोना से 5.40 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं तथा 15,069 लोगों की मौत हुई है। इराक में संक्रमितों की संख्या 5.35 लाख से अधिक और मृतकों का आंकड़ा 11,958 तक पहुंच गया है। इंडोनेशिया में संक्रमितों की संख्या 4.97लाख से अधिक हो गयी है और मृतकों का आंकड़ा 15,884 तक पहुंच गया है। चेक गणराज्य में संक्रमितों की कुल संख्या 4.92 लाख से अधिक हो गई है और मृतकों का आंकड़ा 7,191 तक पहुंच गया है। नीदरलैंड में कोरोना से 4.92 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं तथा 8,967 लोगों की मौत हुई है। बंगलादेश में संक्रमितों की संख्या 4.47 लाख से अधिक हो गई है और 6,388 लोगों की मौत हो चुकी है। तुर्की में कोरोना से अब तक 4.46 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 12,358 लोगों की मौत हुई है।

फुटबॉल

विलारेल में रियल मैड्रिड के गोलकीपर कोर्टिस स्पेनिश ला लीग फुटबॉल में गोल होने से रोकते।

लिजा का बीसीसीआई पर निशाना: कहा- भारतीय महिला खिलाड़ियों को नहीं पता कि वे अगला मैच अब कब खेलेंगी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लिजा स्थालकर ने भारत में वुमन्स क्रिकेट को तवज्जो नहीं देने को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'भारतीय वुमन्स क्रिकेट प्लेयर्स को ये तक नहीं पता है कि वे अगल मैच कब खेलेंगी। मुझे लगता है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा अनटैप्ड टैलेंट मार्केट है। अगर इउउकइस टैलेंट का इस्तेमाल करती है, तो वे वुमन्स क्रिकेट में भी डॉमिनेट कर सकते हैं।' ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्ट कॉरपोरेशन के एक प्रोग्राम में लिजा ने कहा कि बीसीसीआई सही दिशा में जा रहा है, पर काफी स्लो है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई ने वुमन्स आईपीएल प्लान करने में काफी देरी कर दी। ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट इसलिए ऊपर आ रहा है, क्योंकि हमने उसपर इन्वेस्ट किया है। ऑस्ट्रेलिया ने वुमन्स बिग बैश लीग जैसी कोई लीग बनाई, जो कि अपने 6वें सीजन में है।' लिजा ने दुबई में हुए वुमन्स टी-20 चैलेंज यानी महिलाओं के आईपीएल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'पेस और बाउंस वाली पिचों पर हम बड़ा स्कोर देख सकते हैं। लेकिन वुमन्स टी-20 चैलेंज में विकेट सपाट और लो स्कोरिंग थे। महिला खिलाड़ियों ने भी ठीक से ट्रेनिंग नहीं की थी। ये बीसीसीआई के लिए अपने गेम का एडवरटाइजमेंट करने का सही समय नहीं था।'

भारत में हुआ था लिजा का जन्म

बता दें कि लिजा का जन्म 13 अगस्त, 1979 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। हालांकि, उन्हें ऑस्ट्रेलिया के कपल ने एडोप्ट कर लिया था। बाद में उनके पिता ऑस्ट्रेलिया में शिफ्ट हो गए। लिजा ने वहीं क्रिकेट की प्रैक्टिस शुरू की।

ऑस्ट्रेलिया की टीम से खेलते हुए 229 विकेट लिए

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने इंटरनेशनल करियर में कुल 187 मैच खेले हैं। उन्होंने 8 टेस्ट मैच में 32 की औसत से 416 रन और 54 टी-20 इंटरनेशनल मैच में 21.36 की औसत से 769 रन बनाए। वहीं, 125 वनडे में 30.65 की औसत से 2728 रन भी बनाए। उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर में कुल 229 विकेट भी लिए हैं।

न्यूज. ब्रीफ

मास्को में रुस की अनासटेशिया मिशीना व एलेकसेंड्रा गैलीमोव फिगर स्केटिंग कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

लंका प्रीमियर लीग में गाले ग्लैडिएटर्स टीम की कप्तानी करेंगे शाहिद अफरीदी

कोलंबो। 26 नवंबर से होने जा रही श्रीलकाई पीमियर टी20 लीग क्रिकेट में पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी गाले ग्लैडिएटर्स टीम की कप्तानी करेंगे। इस टूनार्मेट को क्रिस गेल और लसिथ मलिंगा जैसे खिलाड़ियों के बाहर होने से झटका लगा है पर अफरीदी के आने से कुछ राहत मिली है। गाले की टीम की कप्तानी पहले पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद को सौंपी जानी थी पर वह टीम के साथ दिसंबर में न्यूजीलैंड दौरे पर जाएंगे, इसको देखते हुए अफरीदी को टीम का कप्तान बनाया गया है। पाक कारोबारी नदीम ओमर ने गाले की टीम को खरीदा है और उन्होंने अफरीदी को कप्तान बनाते हुए कहा, 'अफरीदी अब इस टीम की कप्तानी करेंगे, क्योंकि यह टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं।' अभी हाल में पाक के तेज गेंदबाज सोहेल तनवीर कोलंबो पहुंचने के बाद कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे और वह इस समय आइसोलेशन में मौजूद हैं। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल भी इस लीग से अपना नाम वापस ले चुके हैं। लंका प्रीमियर लीग में कुल टीमें हिस्सा ले रही हैं और 26 नवंबर से शुरू होने वाले इस टूनार्मेट का खिताबी मुकाबला 16 दिसंबर को खेला जाएगा।

डेनिल मदवेदेव और थीम में होगा एटीपी टेनिस फाइनल्स का खिताबी मुकाबला

लंदन। रूस के डेनिल मदवेदेव और ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थीम के बीच एटीपी टेनिस फाइनल्स का खिताबी मुकाबला होगा। मदवेदेव ने सेमीफाइनल में विश्व के नंबर-2 स्पेन के राफेल नडाल को 3-6, 7-6 (4), 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। इस मुकाबले के पहले सेट में नडाल ने जीत दर्ज की पर दूसरे सेट में वह 0-3 से पीछे रह गए। नडाल ने तीसरे सेट में 5-4 से वापसी की पर मदवेदेव ने आखिरकार मुकाबला जीत लिया। तीसरे सेट में नडाल लय में नजर नहीं आये और रूसी खिलाड़ी ने सेट के साथ मैच भी अपने नाम कर लिया। इस टूनार्मेंट में मेदवेदेव एक भी मैच नहीं हारे हैं। अब इस टूनार्मेंट को जीतते ही वह ऐसे वैसे खिलाड़ी बन जाएंगे, जिसने अजेय रहते यह टूनार्मेंट अपने नाम किया है। वहीं मेदवदेव खिताबी मुकाबले में विश्व के नंबर-3 थीम का मुकाबला करेंगे। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में थीम ने विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 7-5, 6-7 (10), 7-6 (5) से हरा फाइनल में प्रवेश किया है। 300वीं करियर जीत के साथ ही थीम लगातार दूसरी बार इस टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंचे हैं।

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा: विराट के स्वदेश लौटने के बाद टीम में शामिल होंगे रोहित

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जरुरत के अनुसार बल्लेबाजी के लिए तैयार हैं रोहित शर्मा

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वह टीम प्रबंधन की जरुरत के अनुसार बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं। रोहित कप्तान विराट कोहली के शुरूआती टेस्ट के बाद स्वदेश लौटने के बाद कप्तान की जिम्मेदारी संभालने वाले अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा के साथ बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। रोहित ने कहा, जहां भी टीम चाहती है, मैं वहां बल्लेबाजी करने को तैयार हूं पर मैं नहीं जानता कि वे सलामी बल्लेबाज के तौर पर मेरी भूमिका बदलेंगे या नहीं। उनका मानना है कि जब तक वह बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में स्ट्रेंथ एवं कंडिशनिंग ट्रेनिंग के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे, तब तक टीम प्रबंधन ने उनकी भूमिका तय कर ली होगी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण वह अभी एनसीए में फिटनेस हासिल करने में लगे हैं। रोहित ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि ऑस्ट्रेलिया में पहुंचे टीम प्रबंधन ने विराट के जाने के बाद विकल्प पहचान लिये होंगे और कौन खिलाड़ी हैं जो पारी की शुरूआत करेंगे। उन्होंने कहा, एक बार मैं वहां पहुंच जाऊं, मुझे स्पष्ट हो जाएगा कि क्या होगा। वे जिस स्थान पर चाहते हैं, मैं उस स्थान पर बल्लेबाजी के लिए तैयार रहूंगा। रोहित का मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उछाल कभी कभार उतना बड़ा कारक नहीं होता, जितना इसे बनाया जाता है। रोहित ने कहा, अब, विशेषकर पारी का आगाज करते हुए, मुझे कट और पुल शॉट नहीं खेलने के बारे में सोचना होगा और जहां तक संभव हो, मुझे वी और स्ट्रेट शॉट खेलने पर ध्यान लगाना होगा।

विराट के न होने से बल्लेबाजी में खालीपन आयेगा: इयान

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा है कि टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली का बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी तीन मैचों में नहीं रहने से भारतीय टीम के बल्लेबाजी क्रम में बड़ा खालीपन आयेगा। विराट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों के 6 मुकाबले और एडिलेड मे खेले जाने वाले शुरूआती टेस्ट मैच के बाद पितृत्व अवकाश पर स्वदेश लौट जाएंगे। चैपल के अनुसार भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले टेस्ट के बाद विराट कोहली के लौटने से प्रतिद्वंद्वी टीम के आक्रमण में कमी आएगी, जिससे टीम चयन में आशंका पैदा होगी हालांकि सीरीज किस दिशा में जाएगी। अंत में फैसला इससे ही होगा। विराट एडिलेड से 17 दिसंबर से शुरू होने वाली चार मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेलने के बाद अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौटेंगे। वह हालांकि वनडे और टी-20 सीरीज में खेलेंगे।

विराट की गैरमौजूदगी में हमेशा जीती है टीम : गावसकर

महान बल्लेबाज सुनील गावसकर के अनुसार टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में कप्तान विराट कोहली के नहीं होने से भारतीय टीम को लाभ ही होगा। गावसकर ने कहा , 'अगर आप देखेंगे तो पाएंगे कि जब भी विराट नहीं थे भारतीय टीम हमेशा ही जीती है।' इसके साथ ही इस पूर्व कप्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस टेस्ट को भी याद किया जिसमें भारतीय कप्तान ने नहीं खेला था पर भारतीय टीम को जीत मिली थी। उन्होंने कहा, धर्मशाला टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ भी जीत हासिल की थी। इसके अलावा निदाहास ट्रॉफी और एशिया कप-2018 में भी भारतीय टीम जीती थी।

राहुल ने टीम की तैयारियों का वीडियो शेयर किया

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के नए कप्तान केएल राहुल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। राहुल सिडनी में अभ्यास के दौरान नेट्स पर जमकर पसीना बहा रहे हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 27 नवंबर से शुरू होगी। वहीं राहुल ने एक एक वीडियो शेयर कर टीम इंडिया की तैयारियों की जानकारी दी है। राहुल ने इस वीडियो को अपने टिवटर हैंडल से शेयर किया है। इस वीडियो में टीम इंडिया के खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ की निगरानी में कड़ी मेहनत करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में हार्दिर पंड्या अपनी टोन्ड बॉडी को भी दिखा रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए राहुल ने लिखा, "ग्रुप ट्रेनिंग सेशन से प्यार है। बहुत समय बाद हमने एक साथ ऐसा किया।" रोहित के नहीं होने के कारण राहुल के ऊपर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में अहम जिम्मेदारी है। लगातार बेहतर प्रदर्शन के बल पर क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में अपनी जगह पक्की करने में सफल हुए हैं। इस साल की शुरूआत में न्यूजीलैंड दौरे पर भी उनका प्रदर्शन अच्छा था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एकदिवसीय सीरीज में वह शिखर धवन के साथ पारी शुरू कर सकते हैं। वहीं, टी20 सीरीज में वह मयंक अग्रवाल के साथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे।

गिब्स ने दक्षिण अफ्रीकी टीम को आगाह किया, वेस्टइंडीज को हराना आसान नहीं

कोलंबो ■ ब्यूरो

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेअर हर्शल गिब्स ने अपनी टीम को आगाह किया है कि वह वेस्टइंडीज को हल्के में न ले। गिब्स ने कहा कि टी20 क्रिकेट में इंडीज टीम अभी भी सबसे बेहतर है। गिब्स ने कहा, अगले साल भारत में टी-20 विश्व कप होना है ऐसे में दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के लिए इंडीज खिलाड़ियों को हराना आसान नहीं होगा। इसके लिए उन्हें मानसिक रुप से सक्षम होना होगा। लंकाई प्रीमियर लीग में कोच बने गिब्स ने कहा, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के हाल ही में संपन्न 13वें संस्करण में एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों क्विंटन डी कॉक, कागिसो रबाडा और एनरिक नार्जे ने शानदार खेल दिखाया है जिससे उनकी उम्मीदें बनी हैं। साथ ही कहा कि समस्या कभी भी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ नहीं रही है। कोलंबो किंग्स के मुख्य कोच ने कहा, दक्षिण अफ्रीका हमेशा विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का उत्पादन करता है पर बड़े मैचों में हमारे खिलाड़ी दबाव के सामने नहीं टिक पाते हैं। लंकाई लीग में गिब्स शुरू में कमेंट्री के लिए आए थे पर बाद में वह टीम के कोच बन गए। भूमिका बदलने पर उन्होंने कहा ठीक है, भाग्य एक दिलचस्प मोड़ लेकर आया है। मुझे पता चला कि डेव व्हाटमोर, जिसे पहले कोलंबो किंग्स का कोच नामित किया गया था, कुछ व्यक्तिगत कारणों के कारण आ नहीं पाए हैं। इसलिए जब मुझसे संपर्क किया गया, तो मैंने यह प्रस्ताव मान लिया। गिब्स ने साल 2006 में 111 गेंदों में 175 रनों की अपनी तूफानी पारी पर भी बात की। उन्होंने कहा- यह किसी भी खिलाड़ी के लिए हमेशा इस बात का मार्गदर्शन होगा कि किस तरह स्कोर का पीछा किया जाता है।

दिग्गज टेक कंपनियों की धमकी: गूगल, फेसबुक और ट्विटर ने पाकिस्तान छोड़ने की धमकी, कहा- सरकार बदले कानून

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

गूगल, फेसबुक, ट्विटर जैसी दिग्गज टेक कंपनियों ने पाकिस्तान को अलविदा कहने की धमकी दी है। दरअसल, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को ऐलान किया कि अब उनके यहां इंटरनेट के कंटेंट पर सेंसरशिप लगाई जाएगी। जो कंपनी इस नियम को तोड़ेगा उसके खिलाफ जुमार्ना लगाया जाएगा, जिसका विरोध किया जा रहा है।

वैश्विक इंटरनेट कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन एशिया इंटरनेट गठबंधन (जिसका सदस्य गूगल, फेसबुक और ट्विटर भी है) ने कहा कि इंटरनेट कंपनियों को निशाना बनाने वाला नया कानून चिंताजनक है। उनका कहना है कि अगर ये कानून लागू किया गया तो पाकिस्तान से कारोबार मजबूरन समेटना होगा। बता दें कि यह संस्था एशिया में गूगल, फेसबुक और ट्विटर जैसी टेक कंपनियों का प्रतिनिधित्व करती है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, आईटी मंत्रालय ने बुधवार को नए नियम की घोषणा की।

इसमें कहा गया है कि सोशल मीडिया कंपनियों और इंटरनेट सेवा देने वाली कंपनियों को हर वो जानकारी देनी होगी जो जांच एजेंसियां मांगेंगी। इसमें सब्सक्राइबर की सूचना, ट्रैफिक डेटा और यूजर का डेटा शामिल हो सकती है। साथ ही सोशल मीडिया कंपनियों या इंटरनेट सेवा देने वालों को इस्लाम की अवहेलना करने वाली सामग्री, आतंकवाद को बढ़ावा देने, अभद्र भाषा, अश्लील साहित्य या किसी भी सामग्री को खतरे में डालने के लिए 3.14 मिलियन डॉलर तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। जिसके बाद गूगल, फेसबुक और ट्विटर समेत कई कंपनियों ने कहा है कि अगर कानून ऐसा ही रहा तो कारोबार वहां से उठाना पड़ेगा।

दूरसंचार सेवाओं की दरें तार्किक नहीं, बढ़ाना जरूरी: सुनील मित्तल

19 खानों की नीलामी सफल रही

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के मुखिया सुनील मित्तल का कहना है कि अभी मोबाइल सेवाओं की दरें तार्किक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा दरों पर बाजार में बने रहना मुश्किल है, अतः दरों में बढ़ोतरी अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई निर्णय लेने से पहले बाजार की परिस्थितियों को देखा जायेगा। मित्तल ने एक साक्षात्कार में ये बातें कहीं। अगली पीढ़ी के 5जी नेटवर्क में चीन की दूरसंचार उपकरण विनिमार्ताओं को भागीदारी की मंजूरी मिलेगी या नहीं, इस बारे में पूछे जाने पर मित्तल ने कहा कि बड़ा सवाल देश के निर्णय का है। देश जो भी निर्णय लेगा, हर कोई उसे स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा, जहां तक दूरसंचार सेवाओं की दरों का सवाल है, कंपनी ने (एयरटेल ने) इस बारे में अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। एयरटेल मजबूती से यह मानती है कि दरों में वृद्धि की जानी चाहिये।

मित्तल ने कहा, मौजूदा दरें टिकाऊ नहीं हैं, लेकिन एयरटेल बिना बाजार के या नियामक के कदम उठाये खुद से पहल नहीं कर सकती है। उद्योग जगत को एक समय पर दरें बढ़ाने की जरूरत होगी। हमें ऐसा करते समय बाजार की परिस्थितियों को देखना होगा। मित्तल से यह पूछा गया था कि भारतीय बाजार में दूरसंचार सेवाओं की दरें बढ़ाने के लिये क्या समय अपरिहार्य लगता है और क्या एयरटेल इस दिशा में पहल करेगी या प्रतिस्पर्धियों के कदम उठाने की प्रतीक्षा करेगी? उल्लेखनीय है कि मित्तल ने इस साल अगस्त में इस बारे में टिप्पणी की थी।

आरबीआई के 'फॉलोअर्स' की संख्या 10 लाख के पार, शक्तिकांत दास ने कहा-

इस मामले में बना दुनिया का पहला सेंट्रल बैंक

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारतीय रिजर्व बैंक के ट्विटर पर 'फॉलोअर्स' की संख्या 10 लाख को पार कर गई है। रिजर्व बैंक यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का पहला केंद्रीय बैंक है। माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर 10 लाख फॉलोअर्स के साथ रिजर्व बैंक ने अमेरिका के फेडरल रिजर्व तथा यूरोपीय केंद्रीय बैंक (यूसीबी) को पीछे छोड़ दिया है। रिजर्व बैंक के ट्विटर हैंडल पर उपलब्ध सूचना के अनुसार उसके फॉलोअर्स की संख्या 27 सितंबर, 2020 को 9166 लाख थी, जो अब 10 लाख हो गई है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने रविवार को ट्वीट किया, 'रिजर्व बैंक के ट्विटर खाते पर आज फॉलोअर्स की संख्या 10 लाख हो गई है। इसके लिए रिजर्व बैंक में मेरे सभी सहयोगियों को बधाई। दुनिया के सबसे शक्तिशाली केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ट्विटर पर फॉलोअर्स की संख्या सिर्फ 6.67 लाख है। वहीं यूरोपीय केंद्रीय बैंक के फॉलोअर्स की संख्या 5.91 लाख है। अमेरिका का केंद्रीय बैंक मार्च, 2009 में ट्विटर से जुड़ा था। वहीं ईसीबी अक्टूबर, 2009 से ट्विटर से जुड़ा है। 85 साल पुराने रिजर्व बैंक का ट्विटर खाता जनवरी, 2012 में शुरू हुआ था। गवर्नर दास का अलग ट्विटर हैंडल है, जिसपर फॉलोअर्स की संख्या 1.35 लाख है। मार्च, 2019 में ट्विटर पर रिजर्व बैंक के फॉलोअर्स की संख्या 3,42,000 थी, जो मार्च, 2020 में दोगुना से अधिक होकर 7,50,000 हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान लगाए गए सात सप्ताह के लॉकडाउन में रिजर्व बैंक के ट्विटर पर फॉलोअर्स की संख्या में 1.5 लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष में 2.15 लाख फॉलोअर्स रिजर्व बैंक के ट्विटर हैंडल से जुड़े हैं।

ई-स्कूटर

इलेक्ट्रिक स्कूटर का पहला बैच को नीदरलैंड से लाया जाएगा

ओला की रणनीति: भारत में जनवरी 2021 तक लॉन्च करेगी अपना पहला ई-स्कूटर, पहले साल ही 10 लाख यूनिट बेचने की योजना

ओला प्लांट की सालाना क्षमता 20 लाख यूनिट

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

ओला अभी तक राइड-शेयरिंग कंपनी के तौर पर काम कर रही है, जो टैक्सी, किराए की गाड़ी और फूड डिलीवरी सुविधाएं मुहैया करा रही है। हालांकि, कंपनी जनवरी 2021 में इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में उतरने की योजना बना रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओला भारत में भी इलेक्ट्रिक स्कूटर का निर्माण शुरू करने की योजना बना रही है। हालांकि, इलेक्ट्रिक स्कूटर शुरूआत तौर पर नीदरलैंड स्थित प्लांट में तैयार किया जाएगा, जिसे न केवल भारतीय बाजार बल्कि यूरोप में भी बेचा जाएगा। कुछ महीने पहले,

ओला ने एक अघोषित राशि के साथ एम्स्टर्डम बेस्ड इटरगो बीवी के अधिग्रहण की घोषणा की है।

यह अधिग्रहण घरेलू कंपनी की डिजाइन और इंजीनियरिंग क्षमताओं को बढ़ावा देगी। उस समय, ओला इलेक्ट्रिक ने कहा था कि इसका उद्देश्य 2021 में भारत में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर लॉन्च करना है, और कंपनी इस ओर तेजी से कदम भी बढ़ा रही है। हालांकि, ओला को अभी इस खबर की पुष्टि नहीं की है।

पहले साल 10 लाख स्कूटर बेचने का लक्ष्य

ओला की इस ई-स्कूटर की कीमत काफी प्रतिस्पर्धी होगी, जो वर्तमान में बाजार में मौजूद अन्य इलेक्ट्रिक स्कूटरों को कड़ी चुनौती देगी, क्योंकि कंपनी भारत के उभरते इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहती है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि ओला पहले साल में ही 10 लाख ई-स्कूटर बेचने की योजना बना रही है।

भारत में ओला प्लांट की सालाना क्षमता 20 लाख यूनिट

इलेक्ट्रिक स्कूटर का पहला बैच को नीदरलैंड से लाया जाएगा, वहीं, भारतीय प्लांट स्थानीय मांग को और अधिक कुशलता से पूरा करने में मदद करेगा, और कंपनी को सरकार की आत्मनिर्भर भारत मुहिम का एक हिस्सा होने में भी मदद करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओला, भारत में सबसे बड़े ई-स्कूटर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के लिए विभिन्न राज्य सरकारों के साथ बातचीत कर रही है, इस प्लांट की सालाना क्षमता लगभग 20 लाख यूनिट होगी।

मिल सकती है स्वैपेबल हाई एनर्जी डेंसिटी बैटरी

इटरगो भी एक ऑल-इलेक्ट्रिक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट 'ऐपस्कूटर' विकसित कर रहा है, जिसमें 240 किमी तक की रेंज प्रदान करने के लिए स्वैपेबल हाई एनर्जी डेंसिटी बैटरी का उपयोग किया जाएगा। इस तकनीक को ओला इलेक्ट्रिक ई-स्कूटर में भी देखा जा सकता है। लॉन्चिंग के बाद ओला का ई-स्कूटर बाजार में मौजूद टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक के साथ-साथ एथर एनर्जी को चुनौती देगा।

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत जिले में हो प्रभावी कार्रवाई

ग्वालियर। मिलावट से मुक्ति के लिये प्रदेश भर में चलाए जा रहे अभियान के तहत ग्वालियर जिले में भी प्रभावी कार्रवाई हो। मिलावट करने वालों के विरूद्ध पुलिस प्रकरण भी कायम किए जाएं। खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों को बख्शा नहीं जाए। खाद्य पदार्थों की अधिक से अधिक सेम्पलिंग की जाए। अपने-अपने क्षेत्र में एसडीएम अभियान का नेतृत्व करें। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सोमवार को अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में यह निर्देश दिए। शासन की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन हो यह सुनिश्चित करने के लिये विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा, एडीएम श्री टी एन सिंह, श्री किशोर कान्याल, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हैल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों का निराकरण तेजी के साथ करें। जिन विभागों पर 10 से अधिक सीएम हैल्पलाइन के प्रकरण दर्ज हैं उनकी मॉनीटरिंग के लिये एडीएम स्तर के अधिकारियों को मॉनीटरिंग करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हैल्पलाइन के प्रकरणों में लापरवाही पाए जाने वाले अधिकारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई प्रस्तावित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने आरसीएमएस में राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कार्य की प्रगति पर असंतोष व्यक्त

किया। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का निराकरण तेजी से करें। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में ग्वालियर जिले की रैंकिंग असंतोषजनक है। सभी अधिकारी आगामी 15 दिनों में अपने-अपने राजस्व प्रकरणों का निराकरण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक में समर्थन मूल्य पर खरीदी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि खरीदी का कार्य करने के साथ-साथ किसानों का भुगतान एवं परिवहन की व्यवस्था भी समय पर सुनिश्चित की जाए। खरीदी के समय वारदाने की कमी नहीं रहना चाहिए। अपनी उपज बेचने आए किसानों को खरीदी केन्द्र पर किसी प्रकार की समस्या न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए।

सफाई व्यवस्था की मॉनीटरिंग करें जिला अधिकारी–कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा के दौरान जिला अधिकारियों से कहा है कि वे प्रतिदिन सुबह शहर की साफ-सफाई व्यवस्था की भी मॉनीटरिंग करें। जिला स्तर के अधिकारियों को नगर निगम के विभिन्न वार्डों में स्वच्छता की मॉनीटरिंग करने की जवाबदारी सौंपी गई है। जिन अधिकारियों को स्वच्छता की मॉनीटरिंग की जवाबदारी दी है वे प्रतिदिन क्षेत्र में भ्रमण कर साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने में अपना योगदान दें।

ग्रामीण क्षेत्र में पथ विक्रेता उत्थान योजना का लाभ हितग्राहियों को मिले–कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने पथ विक्रेता उत्थान योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में छोटा-छोटा व्यवसाय करने वाले व्यवसाइयों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं। योजना के तहत हितग्राहियों को 10 हजार रूपए तक का ऋण मुहैया कराया जाता है। ग्वालियर जिले में ग्रामीण क्षेत्र के 713 हितग्राहियों को अब तक लाभान्वित किया गया है। योजना का लाभ अन्य पात्र हितग्राहियों को भी मिले, यह सुनिश्चित किया जाए।

थाना हजीरा पुलिस ने तीन हजार रूपए के ईनामी एवं हत्या के प्रयास के मामले में फरार शातिर शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अमित सांघी भापुसेएद्वारा समस्त थाना प्रभारियों को दिये गये निर्देशो के परिपालन मे अति0 पुलिस अधीक्षक शहर पंकज पांडेय व नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा अखिलेश रेनवाल के द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को फरारी इनामी बदमाशों की धरपकड् हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के लिये निर्देशित किया गया था। थाना प्रभारी हजीरा मनोज शर्मा के नेतृत्व में थाना हजीरा की टीम ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार 3000 रूपये ईनामी शातिर शराब तस्कर को गिरफ्तार किया। कांचमील रोड पर आबकारी टीम ने शातिर शराब तस्कर के घर छापा मारा इसी बात पर शराब तस्करों ने आबकारी टीम पर फायरिंग की थीए जिस पर से थाना हजीरा में हत्या का प्रयास का मामला दर्ज किया गया था । उक्त शराबतस्करके कब्जे सेएक कट्टा 315 बोर व 315 बोर के दो जिंदा राउंड बरामद किए । उक्त शराब तस्कर बिरला नगर में कबा के गोदाम पर अवैध शराब फैक्ट्री चलाने के मामले में धारा 34 आबकारी एक्ट में भी फरार था ।इसके विरुद्ध मारपीटए हत्या का प्रयासए अवैध शराब बेचनेए अवैध हथियार रखने सहित कुल 16 अपराध दर्ज है ।अभी 4 शातिर शराब तस्कर फरार हैं जिनकी तलाश जारी है । सराहनीय भूमिका एसआई अभिलाख सिंह तोमर एएएसआई रविंद्र सिंह कुशवाहए विश्वनाथ उपाध्यायए प्रधान आरक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान एआरक्षक योगेंद्र सिंह चौहानए राजकुमार विमल टीम में शामिल रहे।

फरारी ईनामी बदमाशों की गिरफ्तारी हेतु अभियान

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर अमितसांघी, भापुसे द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को दियेगयेनिर्देषों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक ग्वालियर षहर पष्चिम/अपराध श्रीसत्येन्द्र सिंह तोमर एवं उप पुलिस अधीक्षक अपराध रत्नेष तोमर द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को फरार चिटफंडी एवं बदमाशों की धरपकड़ हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के लिये निर्देषित किया गया था। जिले मेंचिट फंड कम्पनियों पर कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा गठितटीम के नोडल अधिकारी डीएसपी अपराध विजय भदौरिया के मार्गदर्षन मे की जा रही कार्यवाही के दौरान प्रभारी क्राइम ब्रांच उपनिरीक्षक विनोद शर्मा के निर्देशन मे थाना गोला का मंदिर के अपराध क्रमांक 255/11 धारा 420 भादवि, म0प्र0 निक्षेपकों के हितों का संरक्षणअधिनियम 2000 की धारा 3(1)(2)(4), आरबीआई अधिनियम1934 की धारा 45-एस/58 बी (5-ए) में फरार इनामी चिटफंडी निवासी हजीरा एवं निवासी इटारसी को क्राइम ब्रांच ग्वालियर की टीम बनाकर घेराबंदी कर धर दबोचा। उक्त चिटफंडियो की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा 05-05 हजार रूपये का ईनाम भी घोषित किया गयाथा। उक्त चिटफंडीवर्ष 2011 से फरार थे एवं अन्य आरोपीगणों के संबंध में परिवार डेयरी संचालकों से भी पूछताछ की गई। उक्त चिटफंडियों को थाना गोला का मंदिर के अपराध मे आवश्यकता होने से थाना गोला का मंदिर को सुपुर्द किया गया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला क्रायसेस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक सम्पन्न

दतिया। जब तक दवाई नहीं तब तक हमें किसी भी प्रकार की ढ़िलाई नहीं बरतनी है बल्कि कोरोना के संक्रमण से बचाव हेतु घर से बाहर निकलते वक्त चेहरे को मास्क से ढ़ककर रखें। सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुए सेनेटाईजर का भी उपयोग करें। कलेक्टर श्री संजय कुमार ने उक्त आश्य के विचार सोमवार का कलेक्ट्रेट में जिला क्रायसेस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक में व्यक्त किए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौर, अपर कलेक्टर श्री एसएस रावत, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एसएन उदयपुरिया, मेडीकल कॉलेज के चिकित्सकगण, क्रायसेंस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्य के रूप में सर्वश्री गणेशदत्त सांवला, अमित महाजन, विजय झण्ड़ा गुरू, राजीव गुप्ता, डॉ. राजू त्यागी आदि उपस्थित थे। रोको टोको अभियान शुरू होगा कलेक्टर श्री कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा पूरे देश में कोरोना संक्रमण को देखते हुए संक्रमण से बचाव हेतु ऐहतियाती कदम उठाने होंगे। हमें उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक कर सावधानी बरतने के लिए प्रेरित करना होगा। उन्होंने कहा कि चौराहों पर रोको-टोको अभियान के माध्यम से लोगों को रोककर उन्हें मास्क लगाने, सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने और सेनेटाईजर का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जायेगा। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

विवाह समारोह में डेढ़ सौ से अधिक लोग नहीं होंगे उपस्थित

जिला स्तरीय क्रायसेस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक में सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव देते हुए ग्रुप में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि विवाह समारोह एवं अन्य आयोजन में अधिकतम 150 लोग एकत्रित हो सेंगे। जिसमें बैण्ड़-बाजे, हलवाई आदि शामिल रहेंगे। आयोजन की विधिवत अनुमति संबंधित क्षेत्र के नायब तहसीलदार, तहसीलदार एवं एसडीएम से लेनी होगी। एकत्रित होने वाले लोगों की सूची भी अनुमति देने वाले अधिकारी को देनी होगी। आयोजनकर्ता को कोविड-19 की गाईड लाईन का भी पूर्ण रूप से पालन कराना होगा। आयोजनकर्ता को आयोजन के साथ शपथ पत्र भी देना होगा। जिस स्थान पर आयोजन होगा उसकी क्षमता के बारे में भी जानकारी देनी होगी। इन आयोजनों की निगरानी हेतु अधिकारी तैनात किए जायेंगे। कोविड-19 की गाईड लाईन का उल्लंघन होने पर संबंधित आयोजन कर्ता के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

कोविड के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी भी दें: सीईओ श्री वर्मा

ग्वालियर। नेहरू युवा केन्द्र के स्वयंसेवक कोविड महामारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में भी सहयोग करें। साथ ही स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा इत्यादि जैसे विषयों से भी ग्रामीणों को जोड़ें। यह बात जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने नेहरू युवा केन्द्र की जिला सलाहकार समिति की बैठक में कही।

सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री वर्मा ने कहा कि नेहरू युवा केन्द्र अपने कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं के कौशल में बढ़ोत्तरी के लिये प्रमुखता से काम करे। इस कार्य में जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत से हर संभव सहयोग दिलाया जायेगा। उन्होंने ग्रामीण युवाओं को रक्तदान जैसे जनसेवा के

नेहरू युवा केन्द्र की जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

कार्यों से जोड़ने पर भी बल दिया। बैठक में मौजूद रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. आर पी शर्मा ने कहा कि रक्तदान करने के इच्छुक ग्रामीण युवाओं के लिये ग्वालियर से मोबाइल वैन पहुँचाई जायेगी। नेहरू युवा केन्द्र की जिला युवा समन्वयक सुश्री नेहा जादौन ने जिला सलाहकार समिति की बैठक में नेहरू युवा केन्द्र के कार्यक्रमों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया वर्तमान में नेहरू युवा केन्द्र के अंतर्गत आत्मनिर्भर भारत, क्लीन एण्ड ग्रीन विलेज, स्वच्छता व जल संरक्षण जैसे काम किए जा रहे हैं। साथ ही नेहरू युवा केन्द्र के युवा मण्डल व महिला मण्डल द्वारा विभिन्न ग्रामों में समसामयिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा नेहरू युवा केन्द्र से जुड़े यूथ क्लब के सदस्य कोविड महामारी के प्रति लोगों को जागरूक करने का काम भी प्रमुखता से कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला-बाल विकास श्री राजीव सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं नेहरू युवा केन्द्र से जुड़े यूथ क्लब के सदस्यगण मौजूद थे।

रोकेंगे-टोकेंगे कोरोना को भगायेंगे रोको-टोको

ग्वालियर। कोविड-19 संक्रमण से डरने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन सावधानियाँ आवश्यक हैं। सावधानी से ही कोरोना से बचा जा सकता है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये जन जागृति हेतु संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना की पहल पर संभाग भर में रोको-टोको अभियान का क्रियान्वयन प्रारंभ किया जा रहा है। अभियान के तहत शासकीय प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, मीडिया के साथियों और आम जनों की सहभागिता से जन जागृति का कार्यक्रम चलाया जायेगा। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टरों एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अधिकारियों से चर्चा करते हुए रोको-टोको अभियान के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्वालियर कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीगण शामिल हुए। संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने समीक्षा के दौरान कहा कि कोविड-19 का संक्रमण पुनः बढ़ रहा है। कोविड की जब तक वैक्सीन नहीं आती, तब तक सावधानी ही उसका बचाव है। आम जन अनिवार्यतः मास्क पहनें, हाथों को सेनेटाइज करें और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, इसके लिये ÷रोकेंगे-टोकेंगे और कोरोना को भगायेंगे÷ रोको-टोको अभियान का क्रियान्वयन सभी जिलों में किया जाए। अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, शासकीय अधिकारी व कर्मचारी के साथ-साथ आम नागरिकों को भी इस अभियान में जोड़ा जाए। हर व्यक्ति इस अभियान का सक्रिय सदस्य बने और रोको-टोको के

संभाग के सभी जिलों में चलेगा अभियान

माध्यम से जन जागरूकता का कार्य करे, ऐसा माहौल बनाया जाए। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने यह भी कहा कि संभागीय मुख्यालय स्तर पर अन्य स्तर पर अभियान की गतिविधियों को संकलित करने और प्रचार-प्रसार करने हेतु वॉट्सएप नम्बर 9406915690 निर्धारित किया है। यह नम्बर सहायक संचालक जनसंपर्क ग्वालियर श्री मधु सोलापुरकर का है। इस नम्बर पर वॉट्सएप मैसेज एवं फोटोग्राफ के साथ भी सूचनायें भेजी जाएँ ताकि उसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा सके। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने सभी जिला कलेक्टरों से कहा है कि वे अपने जिले के समस्त विभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित करें कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं के हितग्राहियों को एसएमएस के माध्यम से भी रोको-टोको अभियान के संबंध में जानकारी दें और अभियान से जोड़ें। आम नागरिक सरकारी समितियों के सदस्य, किसान, छात्र-छात्राओं आदि को भी मास्क लगाने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और लोगों को जागरूक करने के लिये प्रेरित करें। उन्होंने यह भी कहा है कि अभियान के तहत सभी जिलों में अलग-अलग स्थल पर सोशल डिस्टेंसिंग के साथ छोटे-छोटे कार्यक्रम कर रोको-टोको अभियान संचालित किया जाए। अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार भी हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने रोको-टोको अभियान के तहत सभी जिलों में अपने-अपने स्तर से कुछ स्लोगन के बैनर, पोस्टर भी तैयार कर कार्यक्रमों में उसका उपयोग करने की बात कही है। इनमें मास्क लगाओ, कोविड भगाओ, मास्क लगाना है परिवार व समाज को बचाना है व मास्क एवं दो गज की दूरी, करो अपनी आयु पूरी आदि का उपयोग भी किया जा सकता है। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने सभी जिला कलेक्टरों से अपेक्षा की है कि वे अपने-अपने जिले में रोको-टोको अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन प्रारंभ करेंगे और की गई कार्रवाई से संभागीय स्तर पर स्थापित किए गए वॉट्सएप नम्बर पर अपनी नियमित गतिविधियों को भी भेजना सुनिश्चित करेंगे।

खनिज वनोपज परिवहन शुल्क से 10 गुना ज्यादा मिला राजस्व

ग्वालियर। प्रदेश में प्रमुख तथा गौण खनिज वनोपज के परिवहन के जारी अनुज्ञा पत्रों के शुल्क से वन विभाग को इस वित्त वर्ष में अब तक 173 करोड़ 77 लाख रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में दस गुना ज्यादा है। गत वर्ष इसी अवधि में 17 करोड़ 71 लाख रुपये का राजस्व मिला था। राज्य शासन द्वारा मार्च 2020 में जारी अधिसूचना लाइम स्टोन, डोलोनामाइट, फायर क्ले, मैंगनीज (अयस्क), कॉपर (अयस्क), रॉक फास्फेट, पायरोफिलाईट, डायास्पोर, ऑकर बाक्साइट, आयरन (अयस्क), केलसाईट, कोयला, क्वार्टस, सिलिका, सेंड शेल, स्लेट और सोप स्टोन परिवहन के लिए अभिवहन अनुज्ञा-पत्र जारी करने के लिये 57 रुपये प्रति टन तथा फ्लेग स्टोन, ग्रेनाइट, मार्बल एवं मिट्टी पत्थर के लिये 33 रुपये प्रति घन मीटर शुल्क निर्धारित किया गया है।

25 नवंबर तक चलेगा कौमी एकता सप्ताह

ग्वालियर। राज्य शासन द्वारा इस वर्ष भी 25 नवंबर तक कौमी एकता सप्ताह मनाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सदभाव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा भी भेजी गई है। जिले के समस्त जिला अधिकारियों को शासन के निर्देशों की प्रति भेजते हुए कोविड-19 के दृष्टिगत आवश्यक सावधानियों के साथ कौमी एकता सप्ताह के कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिये हैं।

बाल संरक्षण संस्थाओं में निवासरत

बच्चों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण हो

ग्वालियर। जिले में संचालित सभी बाल संरक्षण संस्थाओं में रह रहे बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच के लिये हर हफ्ते नियमित रूप से चिकित्सक पहुँचें। इस काम में किसी तरह की ढ़िलाई न हो। इस आशय के निर्देश जिला बाल संरक्षण समिति की बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी को दिए गए। यह बैठक जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की अध्यक्षा श्रीमती मनीषा भुजवल सिंह यादव की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई। ज्ञात हो किशोर न्याय अधिनियम के तहत जिला बाल संरक्षण समिति का गठन किया गया है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने स्वास्थ्य अधिकारी को हिदायत दी कि बाल संरक्षण संस्थाओं के बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिये चिकित्सकों की ड्यूटी लगाएँ। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि चिकित्सक हर हफ्ते जाँच के लिये पहुँचे। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि बाल संरक्षण संस्थाओं के बच्चों को भी नियमित पढ़ाई से जोड़ें। जिले के पुलिस थानों को बाल मित्र पुलिस अभियान के तहत चाईल्ड फ्रेंडली बनाने के लिये पुलिस बल को प्रशिक्षित करने पर भी बैठक में सहमति बनी। साथ ही स्वास्थ्य विभाग व निजी अस्पतालों द्वारा दत्तक ग्रहण के प्रावधानों का दीवारों पर प्रदर्शन कर असहाय बच्चों के संबंध में जन जागरूकता लाने पर बल दिया गया। सड़क पर बेसहारा घूमने वाले बच्चों (स्ट्रीट चिल्ड्रन) की पढ़ाई के लिए नगर निगम के जरिए स्थायी कक्ष की व्यवस्था करने पर भी बैठक में चर्चा हुई। वर्तमान में बाल भवन के मैदान में स्ट्रीट चिल्ड्रन के लिये कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए समाजसेवियों के सहयोग से अध्ययन कक्षायें चलाई जा रही हैं। स्मार्ट सिटी सेफ सिटी में बच्चों की सुरक्षा को भी शामिल करने पर बैठक में चर्चा हुई। किशोर न्याय निधि का गठन करने एवं अडॉप्ट ए होम के तहत बच्चों को गोद लेकर बाल देखरेख संस्थाओं की सुविधाओं व सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने पर भी बैठक में बल दिया गया। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्री राजीव सिंह, जिला महिला सशक्तिकरण अधिकारी श्री शालीन शर्मा, नेहरू युवा केन्द्र की जिला युवा समन्वयक सुश्री नेहा जादौन तथा स्कूल शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों सहित बच्चों के कल्याण से जुड़ीं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोपेश्वर कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगर हनुमान मंदिर, गोपेश्वर कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478